खण्ड–520, अंक–01
सोमवार, 14 अग्रहायण, शक संवत् 1944
(05 दिसम्बर, 2022 ई0)

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

–: 0 :–

(अधिकृत विवरण)

(अट्ठारहवीं विधान सभा, तृतीय सत्र, 2022)

(खण्ड 520 में 02 अंक हैं)
उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक :
निदेशक, मुद्रण एवं लेखन सामग्री, उत्तर प्रदेश, लखनऊ (भारत)
2023

मूल्य : बिना महसूल 16.75 रुपये, महसूल सहित 21.00 रुपये।
वार्षिक चन्दा : बिना महसूल 586.25 रुपये, महसूल सहित 724.25 रुपये।

विषय-सूची

विषय	पृष्ठ-संख्या
अट्ठारहवीं विधान सभा के सदस्यों की सूची, महामहिम श्री राज्यपाल, मंत्रि-परिषद्, नेता विरोधी दल, उत्तर प्रदेश विधान सभा के पदाधिकारी तथा अधिष्ठाता मण्डल की सूची	1-14
उपस्थित सदस्य	15-20
राष्ट्रीय गीत	21
उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्य मंत्री श्री मुलायम सिंह यादव के निधन पर शोकोद्गार	21-38
उत्तर प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्यों के निधन पर शोकोद्गार ...	39-40
नियम-301 के अन्तर्गत सूचनाएं	40-41
जनपद फतेहपुर की विधान सभा क्षेत्र हुसैनगंज के अन्तर्गत चितीसापुर एवं चौहट्टा में पेयजल की व्यवस्था कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	41-42
जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र ऊंचाहार में स्थित ऋषि गोकर्ण तपोस्थली को पर्यटक स्थल घोषित किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	42
जनपद बलिया की विधान सभा क्षेत्र बेल्थरा रोड के अन्तर्गत कतिपय सड़कों की मरम्मत/पुनर्निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	42-43
प्रदेश में मझवार की पर्यायवाची जेनेरिक नाम केवट, मल्लाह तथा शिल्पकार में प्रजापति कुम्हार सहित कतिपय अन्य जातियों को मझवार, तरमाली, पासी, शिल्पकार का अनुसूचित जाति का प्रमाण-पत्र निर्गत कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	43-44
जनपद मुरादाबाद के नगर बिलारी के आइडिया ग्राउण्ड को खेल स्टेडियम बनाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	44-45
जनपद अम्बेडकरनगर स्थित अकबरपुर से कादीपुर मार्ग के चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	45
जनपद प्रतापगढ़ के तहसील लालगंज के अन्तर्गत नवसृजित विकास खण्ड मंगापुर उदयपुर को क्रियाशील कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	45
जनपद बुलन्दशहर के ग्राम मँगलौर से रहमापुर स्यावली सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	45-46

विषय	पृष्ठ-संख्या
जनपद शाहजहांपुर की विधान सभा क्षेत्र कटरा के औषधि निरीक्षक द्वारा किये जा रहे भ्रष्टाचार के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	46
जनपद बिजनौर की विधान सभा क्षेत्र नगीना के अन्तर्गत किरतपुर एवं नगीना में रोडवेज बस स्टैण्ड बनवाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	46
जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र डिबाई के अन्तर्गत अनूपशहर-अलीगढ़ लिंक रोड से डिबाई-कर्णवास लिंक रोड तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	47
जनपद झांसी की विधान सभा क्षेत्र गरौठा के अन्तर्गत बेतवा नदी पर खिरिया घाट पर रपटा के स्थान पर पुल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	47
जनपद बिजनौर की विधान सभा क्षेत्र नूरपुर के नगर पंचायत सहसपुर में जर्जर विद्युत लाइन को हटाकर केबिल के माध्यम से विद्युत आपूर्ति कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	48
जनपद गोण्डा के विधान सभा क्षेत्र करनैलगंज में राजकीय विश्वविद्यालय की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	48
जनपद लखनऊ की विधान सभा क्षेत्र सरोजनी नगर के ग्राम सभा हरौनी में कन्या महाविद्यालय खोले जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	49
जनपद बलरामपुर की विधान सभा क्षेत्र बलरामपुर सदर में बालपुर-गोण्डा रेल सेक्शन पर निर्माणाधीन उपरिगामी सेतु से सम्बन्धित शासनादेश में संशोधन कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	49
जनपद बलिया की विधान सभा क्षेत्र रसड़ा के प्यारेलाल चौराहे के रेलवे क्रासिंग पर उपरिगामी सेतु का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	49-50
जनपद उन्नाव की विधान सभा क्षेत्र पुरवा के अन्तर्गत हिलौली करदहा मुख्य मार्ग से बाबा कन्जेश्वर धाम तक मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	50
जनपद लखनऊ में शासन द्वारा स्वीकृत आई0टी0आई0 निर्माण हेतु आवास एवं शहरी नियोजन विभाग में लम्बित भूमि सम्बन्धी प्रस्ताव के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	50-51
जनपद बलिया की विधान सभा क्षेत्र बांसडीह में राजकीय महिला महाविद्यालय का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	51

विषय	पृष्ठ-संख्या
जनपद अयोध्या के विधान सभा क्षेत्र रुदौली के अन्तर्गत रुदौली-अमानीगंज मार्ग का पुनर्निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	51-52
जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बैरिया के अन्तर्गत गंगा और घाघरा नदी के किनारे बसे कतिपय गाँवों को बाढ़ से बचाने के लिये कटान रोधी कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	52
जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र मुंगराबादशाहपुर में जर्जर विद्युत तारों को बदले जाने तथा ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	52-53
जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र बदलापुर के नगर पंचायत के अन्तर्गत भीमपुर रजवाहा पर पुलिया का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	53
जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र जखनियां में कतिपय मार्गों एवं सेतुओं का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	53-54
कार्यालय रजिस्ट्रार/विभागाध्यक्ष, औद्योगिक न्यायाधिकरण एवं श्रम न्यायालय, उ0प्र0, प्रयागराज के ओदश सं0-392/औ0 न्या0 स्था0/2022, दिनांक 30-06-2022 का क्रियान्वयन कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	54
वित्तीय वर्ष 2022-23 के अनुपूरक अनुदानों की मांगों का प्रस्तुतीकरण ...	54-55
कार्य-मंत्रणा समिति द्वारा सदन के कार्यक्रम निर्धारण की सिफारिशें विषयक प्रस्ताव	55-56
नियम-51 के अन्तर्गत सूचनाएं	56-58

उत्तर प्रदेश विधान सभा

अट्ठारहवीं विधान सभा

(सदस्यों की सूची)

---

1. अंकित भारती, श्री — गाजीपुर
2. अंकुर तिवारी, श्री — संत कबीरनगर
3. अखिलेश, श्री — आजमगढ़
4. अखिलेश यादव, श्री — मैनपुरी
5. अजय, श्री — गोण्डा
6. अजय कुमार, श्री — बागपत
7. अजय सिंह, श्री — बस्ती
8. अजीत पाल त्यागी, श्री — गाजियाबाद
9. अजीत सिंह पाल, श्री — कानपुर देहात
10. अताउर रहमान, श्री — बरेली
11. अतुल गर्ग, श्री — गाजियाबाद
12. अतुल प्रधान, श्री — मेरठ
13. अदिति सिंह, श्रीमती — रायबरेली
14. अनिल कुमार, श्री — मुजफ्फरनगर
15. अनिल कुमार, श्री — बुलन्दशहर
16. अनिल प्रधान, श्री — चित्रकूट
17. अनिल कुमार त्रिपाठी, श्री — संत कबीरनगर
18. अनिल कुमार मौर्य, डॉ0 — सोनभद्र
19. अनिल कुमार वर्मा, श्री — सीतापुर
20. अनिल कुमार सिंह, श्री — उन्नाव
21. अनिल पाराशर, श्री — अलीगढ़
22. अनिल राजभर, श्री — वाराणसी
23. अनुपमा जायसवाल, श्रीमती — बहराइच
24. अनुराग सिंह, श्री — मिर्जापुर
25. अनूप सिंह उर्फ अनूप प्रधान वाल्मीकि, श्री — अलीगढ़
26. अन्जुला सिंह माहौर, श्रीमती — हाथरस
27. अब्बास अंसारी, श्री — मऊ
28. अभय सिंह, श्री — अयोध्या
29. अभिजीत सिंह 'साँगा', श्री — कानपुर नगर
30. अमन गिरि, श्री — लखीमपुर खीरी
31. अमरेश कुमार, श्री — लखनऊ
32. अमित अग्रवाल, श्री — मेरठ
33. अमित सिंह चौहान, डा0 — अयोध्या
34. अमिताभ बाजपेई, श्री — कानपुर नगर
35. अरमान खान, श्री — लखनऊ
36. अरुण कुमार, डॉ0 — बरेली
37. अर्चना पाण्डेय, श्रीमती — कन्नौज
38. अलका सिंह, श्रीमती — हरदोई
39. अवधेश प्रसाद, श्री — अयोध्या
40. अवधेश सिंह, डॉ0 — वाराणसी
41. अविनाश चन्द्र द्विवेदी, श्री — चित्रकूट
42. अशरफ अली खान, श्री — शामली
43. अशोक कुमार, श्री — रायबरेली
44. अशोक कुमार राणा, श्री — बिजनौर
45. असीम अरुण, श्री — कन्नौज
46. असीम कुमार, श्री — कुशीनगर
47. आदित्यनाथ योगी, श्री — गोरखपुर
48. आनन्द कुमार यादव, श्री — बहराइच
49. आर0 के0 पटेल, डॉ0 — जौनपुर
50. आराधना मिश्रा 'मोना', श्रीमती — प्रतापगढ़

51. आलमबदी, श्री आजमगढ़
52. आशा मौर्य, श्रीमती सीतापुर
53. आशीष कुमार सिंह 'आशू', श्री हरदोई
54. आशुतोष टण्डन 'गोपाल जी', श्री लखनऊ
55. आशुतोष मौर्य उर्फ राजू, श्री बदायूं
56. आशुतोष शुक्ल, श्री उन्नाव
57. आशु मलिक, श्री सहारनपुर
58. इकबाल महमूद, श्री सम्भल
59. इन्द्रजीत सरोज, श्री कौशाम्बी
60. इन्द्राणी देवी, श्रीमती श्रावस्ती
61. इरफान सोलंकी, हाजी कानपुर नगर
62. उमर अली खान, श्री सहारनपुर
63. उमाशंकर सिंह, श्री बलिया
64. ऊषा मौर्या, श्रीमती फतेहपुर
65. ऋषि त्रिपाठी, श्री महराजगंज
66. एम0पी0 आर्य, डॉ0 बरेली
67. ओमकुमार, श्री बिजनौर
68. ओम प्रकाश, श्री गाजीपुर
69. ओम प्रकाश राजभर, श्री गाजीपुर
70. ओममणी वर्मा, श्रीमती बांदा
71. कपिल देव अग्रवाल, श्री मुजफ्फरनगर
72. कमलाकान्त राजभर उर्फ पप्पू, श्री आजमगढ़
73. कमाल अख्तर, श्री मुरादाबाद
74. कविन्द्र चौधरी, श्री बस्ती
75. किरत सिंह, श्री सहारनपुर
76. कृष्णपाल मलिक, श्री बागपत
77. कृष्णा पासवान, श्रीमती फतेहपुर
78. केतकी सिंह, श्रीमती बलिया
79. कैलाश, श्री चन्दौली
80. कैलाश नाथ, श्री बलरामपुर
81. कैलाश राजपूत, श्री कन्नौज
82. गणेश चन्द्र, श्री संत कबीरनगर
83. गिरीश चन्द्र यादव, श्री जौनपुर
84. गीता शास्त्री (पासी), श्रीमती प्रयागराज
85. गुड़िया कठेरिया, श्रीमती औरैया
86. गुरु प्रसाद मौर्य, श्री प्रयागराज
87. गुलाब देवी, श्रीमती संभल
88. गुलाम मौहम्मद, श्री मेरठ
89. गौरव कुमार, श्री बाराबंकी
90. गौरी शंकर वर्मा (कोरी), श्री जालौन
91. चंदन चौहान, श्री मुजफ्फरनगर
92. चन्द्रपाल सिंह, श्री बुलन्दशहर
93. चन्द्र प्रकाश लोधी (एडवोकेट), श्री फतेहपुर
94. चेतराम, श्री शाहजहांपुर
95. छोटे लाल वर्मा, श्री आगरा
96. जगदीश नारायण, श्री जौनपुर
97. जय कुमार सिंह जैकी, श्री फतेहपुर
98. जय देवी, श्रीमती लखनऊ
99. जयद्रथ उर्फ प्रवक्तानन्द, श्री पीलीभीत
100. जय प्रकाश अंचल, श्री बलिया
101. जयप्रकाश निषाद, श्री देवरिया
102. जय प्रताप सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
103. जयमंगल, श्री महराजगंज
104. जयवीर सिंह, श्री मैनपुरी
105. जयवीर सिंह, ठाकुर अलीगढ़
106. जवाहर लाल राजपूत, श्री झांसी
107. जाहीद, श्री भदोही
108. जियाउद्दीन रिजवी, श्री बलिया

109. जियाऊर्रहमान, श्री मुरादाबाद
110. जी एस धर्मेश, डॉ0 आगरा
111. जीत लाल पटेल, श्री प्रतापगढ़
112. जै किशन साहू, श्री गाजीपुर
113. ज्ञान तिवारी, श्री सीतापुर
114. ज्ञानेन्द्र सिंह, श्री महराजगंज
115. डी0सी0 वर्मा, डॉ0 बरेली
116. तसलीम अहमद, श्री बिजनौर
117. तुफानी सरोज, श्री जौनपुर
118. तेजपाल सिंह नागर, श्री गौतमबुद्धनगर
119. त्रिभुवन दत्त, श्री अम्बेडकरनगर
120. त्रिभुवन राम, श्री वाराणसी
121. दयाशंकर सिंह, श्री बलिया
122. दारा सिंह चौहान, श्री मऊ
123. दिनेश कुमार, श्री मेरठ
124. दिनेश रावत, श्री बाराबंकी
125. दीनानाथ भाष्कर, श्री भदोही
126. दीपक कुमार मिश्र ''शाका'', श्री देवरिया
127. दुधराम, श्री बस्ती
128. दुर्गा प्रसाद यादव, श्री आजमगढ़
129. देवेन्द्र कुमार निम, श्री सहारनपुर
130. देवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री रायबरेली
131. देवेन्द्र सिंह, श्री कासगंज
132. देवेन्द्र सिंह लोधी, श्री बुलन्दशहर
133. धर्मपाल सिंह, श्री बरेली
134. धर्मपाल सिंह, डॉ0 आगरा
135. धर्मराज सिंह यादव, श्री बाराबंकी
136. धर्मेश सिंह तोमर, श्री हापुड़
137. धीरेन्द्र सिंह, श्री गौतमबुद्धनगर
138. नन्दकिशोर, श्री गाजियाबाद
139. नन्द गोपाल गुप्ता ''नन्दी'', श्री प्रयागराज
140. नफीस अहमद, श्री आजमगढ़
141. नवाब जान, श्री मुरादाबाद
142. नसीर अहमद खां, श्री रामपुर
143. नागेन्द्र सिंह राठौर, श्री फर्रुखाबाद
144. नादिरा सुल्तान उर्फ बिटिया, श्रीमती कासगंज
145. नासिर कुरैशी, हाजी मुरादाबाद
146. नाहिद हसन, श्री शामली
147. नितिन अग्रवाल, श्री हरदोई
148. निर्मल वर्मा, श्री सीतापुर
149. नीरज बोरा, डॉ0 लखनऊ
150. नीलकण्ठ तिवारी, डॉ0 वाराणसी
151. नील रतन सिंह, श्री वाराणसी
152. नीलिमा कटियार, श्रीमती कानपुर नगर
153. पंकज, श्री जौनपुर
154. पंकज कुमार मलिक, श्री मुजफ्फरनगर
155. पंकज गुप्ता, श्री उन्नाव
156. पंकज सिंह, श्री गौतमबुद्धनगर
157. पंचानन्द पाठक (पी0एन0 पाठक), श्री कुशीनगर
158. पल्टूराम, श्री बलरामपुर
159. पल्लवी पटेल, डॉ0 कौशाम्बी
160. पिंकी सिंह, श्रीमती सम्भल
161. पीयूष रंजन निषाद, श्री प्रयागराज
162. पुरुषोत्तम खण्डेलवाल, श्री आगरा
163. पूजा, श्रीमती आजमगढ़
164. पूजा पाल, श्रीमती कौशाम्बी
165. पूनम संखवार, श्रीमती कानपुर देहात
166. पूरन प्रकाश, श्री मथुरा

167. प्रकाश द्विवेदी, श्री बांदा
168. प्रतिभा शुक्ला, श्रीमती कानपुर देहात
169. प्रतीक भूषण सिंह, श्री गोण्डा
170. प्रदीप कुमार चौधरी, श्री बुलन्दशहर
171. प्रदीप कुमार यादव, श्री औरैया
172. प्रदीप कुमार सिंह, श्री हाथरस
173. प्रदीप शुक्ला, श्री गोरखपुर
174. प्रभात कुमार वर्मा, श्री गोण्डा
175. प्रभाष कुमार, श्री हरदोई
176. प्रभु नारायण सिंह यादव, श्री चन्दौली
177. प्रवीण पटेल, श्री प्रयागराज
178. प्रसन्न कुमार, श्री शामली
179. प्रेम नरायन पाण्डेय, श्री गोण्डा
180. प्रेम पाल सिंह धनगर, श्री फिरोजाबाद
181. प्रेमसागर पटेल, श्री महराजगंज
182. फतेह बहादुर, श्री गोरखपुर
183. फरीद महफूज किदवई, श्री बाराबंकी
184. बम्बा लाल, श्री उन्नाव
185. बल्देव सिंह औलख, श्री रामपुर
186. बाबूराम, श्री पीलीभीत
187. बाबूलाल, श्री आगरा
188. बावन सिंह, श्री गोण्डा
189. बिजयलक्ष्मी गौतम, श्रीमती देवरिया
190. बीरेन्द्र सिंह राणा, श्री हाथरस
191. बृजेश कठेरिया, इंजी0 मैनपुरी
192. बृजेश कुमार, श्री उन्नाव
193. बेचई सरोज, श्री आजमगढ़
194. बेदी, श्री गाजीपुर
195. बेबीरानी मौर्य, श्रीमती आगरा
196. ब्रजभूषण राजपूत, श्री महोबा
197. ब्रजेश पाठक, श्री लखनऊ
198. ब्रजेश यादव, श्री बदायूं
199. ब्रिजेश, श्री सहारनपुर
200. भगवान सिंह कुशवाहा, श्री आगरा
201. भूपेश चौबे, श्री सोनभद्र
202. मंजू त्यागी, श्रीमती खीरी
203. मनीष असीजा, श्री फिरोजाबाद
204. मनीष कुमार उर्फ मन्टू, श्री कुशीनगर
205. मनीष रावत, श्री सीतापुर
206. मनीषा, श्रीमती हमीरपुर
207. मनोज कुमार पाण्डेय, श्री रायबरेली
208. मनोज कुमार पारस, श्री बिजनौर
209. मनोज कुमार प्रजापति, डॉ0 हमीरपुर
210. मनोहर लाल, श्री ललितपुर
211. मन्जू शिवाच, डॉ0 गाजियाबाद
212. मयंकेश्वर शरण सिंह, श्री अमेठी
213. महबूब अली, श्री अमरोहा
214. महाराजी प्रजापति, श्रीमती अमेठी
215. महेन्द्र, श्री अमरोहा
216. महेन्द्र नाथ यादव, श्री बस्ती
217. महेन्द्र पाल सिंह, श्री गोरखपुर
218. महेश चन्द्र गुप्ता, श्री बदायूं
219. महेश त्रिवेदी, श्री कानपुर नगर
220. माता प्रसाद पाण्डेय, श्री सिद्धार्थनगर
221. माधवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री हरदोई
222. मानवेन्द्र सिंह, श्री शाहजहांपुर
223. मारिया अली, श्रीमती बहराइच
224. मीनाक्षी सिंह, श्रीमती बुलन्दशहर
225. मुकेश चौधरी, श्री सहारनपुर
226. मुकेश चन्द्र वर्मा, डा0 फिरोजाबाद

227. मुक्ता संजीव राजा, श्रीमती अलीगढ़
228. मूल चन्द्र सिंह, श्री जालौन
229. मेघश्याम, श्री मथुरा
230. मो0 ताहिर खान, श्री सुल्तानपुर
231. मोहन वर्मा, श्री कुशीनगर
232. मोहम्मद हसन 'रूमी', श्री कानपुर नगर
233. मोहित सोनकर ''राहुल बच्चा'', श्री कानपुर नगर
234. मौहम्मद अब्दुल्ला आजम खां, श्री रामपुर
235. मौहम्मद फहीम इरफान, श्री मुरादाबाद
236. योगेन्द्र उपाध्याय, श्री आगरा
237. योगेश धामा, श्री बागपत
238. योगेश वर्मा, श्री खीरी
239. योगेश शुक्ला, श्री लखनऊ
240. रघुराज प्रताप सिंह, श्री प्रतापगढ़
241. रजनी तिवारी, श्रीमती हरदोई
242. रत्नाकर मिश्रा, श्री मिर्जापुर
243. रफीक अंसारी, श्री मेरठ
244. रमाकांत यादव, श्री आजमगढ़
245. रमापति शास्त्री, श्री गोण्डा
246. रमा शंकर सिंह, श्री मिर्जापुर
247. रमेश, श्री जौनपुर
248. रमेश चन्द्र मिश्र, श्री जौनपुर
249. रमेश जायसवाल, श्री चन्दौली
250. रविदास मेहरोत्रा, श्री लखनऊ
251. रवि शर्मा, श्री झांसी
252. रवीन्द्र जायसवाल, श्री वाराणसी
253. रवेन्द्र पाल सिंह, श्री अलीगढ़
254. रश्मि आर्य, डॉ0 झांसी
255. राकेश कुमार गोस्वामी, श्री महोबा
256. आर0के0 वर्मा, डॉ0 प्रतापगढ़
257. राकेश प्रताप सिंह, श्री अमेठी
258. राकेश पाण्डेय, श्री अम्बेडकरनगर
259. राकेश राठौर, श्री सीतापुर
260. राकेश सचान, श्री कानपुर देहात
261. रागिनी, डॉ0 जौनपुर
262. राघवेन्द्र शर्मा, डॉ0 बरेली
263. राघवेन्द्र कुमार सिंह, श्री इटावा
264. राजकुमार सहयोगी, श्री अलीगढ़
265. राजपाल सिंह बालियान, श्री मुजफ्फरनगर
266. राज प्रसाद उपाध्याय, श्री सुल्तानपुर
267. राजबाला सिंह, श्रीमती रामपुर
268. राजमणि, श्री प्रयागराज
269. राजीव कुमार, श्री अमरोहा
270. राजीव गुम्बर, श्री सहारनपुर
271. राजीव सिंह उर्फ बब्बू भईया, श्री बदायूं
272. राजीव सिंह ''पारीक्षा'', श्री झाँसी
273. राजेन्द्र कुमार, श्री प्रतापगढ़
274. राजेन्द्र कुमार, श्री मऊ
275. राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, श्री बस्ती
276. राजेन्द्र सिंह पटेल, श्री फतेहपुर
277. राजेश कुमार गौतम, श्री सुल्तानपुर
278. राजेश चौधरी, श्री मथुरा
279. राजेश त्रिपाठी, श्री गोरखपुर
280. राजेश्वर सिंह, श्री लखनऊ
281. रानी पक्षालिका सिंह, श्रीमती आगरा
282. राम अचल राजभर, श्री अम्बेडकरनगर
283. राम अवतार सिंह, श्री बिजनौर
284. रामकृष्ण भार्गव, श्री सीतापुर
285. रामकेश निषाद, श्री बांदा

286. रामखिलाड़ी सिंह, श्री सम्भल
287. रामचन्द्र यादव, श्री अयोध्या
288. रामदुलार, श्री सोनभद्र
289. रामनरेश अग्निहोत्री, श्री मैनपुरी
290. राम निवास वर्मा, श्री बहराइच
291. रामपाल वर्मा, श्री हरदोई
292. राम प्रताप वर्मा उर्फ शशिकान्त वर्मा, श्री बलरामपुर
293. राम फेरन पाण्डेय, श्री श्रावस्ती
294. राम बिलाश चौहान, श्री मऊ
295. राम मूर्ति वर्मा, श्री अम्बेडकरनगर
296. रामरतन कुशवाहा, श्री ललितपुर
297. राम सिंह, श्री प्रतापगढ़
298. राहुल प्रकाश कोल, श्री मिर्जापुर
299. राहुल राजपूत उर्फ राहुल लोधी, श्री रायबरेली
300. रितेश कुमार गुप्ता, श्री मुरादाबाद
301. रेखा वर्मा, श्रीमती औरैया
302. लकी यादव, श्री जौनपुर
303. लक्ष्मी नारायण, श्री मथुरा
304. लक्ष्मी राज सिंह, श्री बुलन्दशहर
305. लालजी वर्मा, श्री अम्बेडकरनगर
306. लोकेन्द्र प्रताप सिंह, श्री खीरी
307. वाचस्पति, श्री प्रयागराज
308. विकास गुप्ता, श्री फतेहपुर
309. विजमा यादव, श्रीमती प्रयागराज
310. विजयपाल (आढ़ती), श्री हापुड़
311. विनय कुमार द्विवेदी, श्री गोण्डा
312. विनय प्रकाश गोंड, श्री कुशीनगर
313. विनय वर्मा, श्री सिद्धार्थनगर
314. विनोद सरोज, श्री प्रतापगढ़
315. विनोद कुमार बिन्द, डॉ0 मिर्जापुर
316. विनोद चतुर्वेदी, श्री जालौन
317. विनोद शंकर अवस्थी, श्री खीरी
318. विनोद सिंह, श्री सुल्तानपुर
319. विपिन कुमार डेविड, श्री एटा
320. विपिन सिंह, श्री गोरखपुर
321. विपुल दुबे, श्री भदोही
322. विमलेश पासवान, डॉ0 गोरखपुर
323. विरेन्द्र कुमार यादव, श्री गाजीपुर
324. विवेक कुमार वर्मा, श्री पीलीभीत
325. विवेकानन्द पाण्डेय, श्री कुशीनगर
326. विशम्भर सिंह यादव, श्री बांदा
327. वीर विक्रम सिंह, श्री शाहजहांपुर
328. वीरेन्द्र चौधरी, श्री महराजगंज
329. वीरेन्द्र सिंह लोधी, श्री एटा
330. वेद प्रकाश गुप्ता, श्री अयोध्या
331. शलभ मणि त्रिपाठी, श्री देवरिया
332. शशांक त्रिवेदी, श्री सीतापुर
333. शशांक वर्मा, श्री खीरी
334. शहजिल इस्लाम अंसारी, श्री बरेली
335. शाहिद मंजूर, श्री मेरठ
336. शिव प्रताप यादव, डॉ0 बलरामपुर
337. शिवपाल सिंह यादव, श्री इटावा
338. श्याम प्रकाश, श्री हरदोई
339. श्याम बिहारी लाल, प्रो0 बरेली
340. श्यामधनी राही, श्री सिद्धार्थनगर
341. श्याम सुन्दर, श्री रायबरेली
342. श्रीकान्त कटियार, श्री उन्नाव
343. श्रीकान्त शर्मा, श्री मथुरा

344. श्रीराम चौहान, श्री गोरखपुर
345. संग्राम यादव, डॉ0 आजमगढ़
346. संग्राम सिंह, श्री बलिया
347. संजय कुमार शर्मा, श्री बुलन्दशहर
348. संजय सिंह गंगवार, श्री पीलीभीत
349. संजीव अग्रवाल, श्री बरेली
350. संजीव कुमार गोंड, श्री सोनभद्र
351. संजीव कुमार दिवाकर, श्री एटा
352. संदीप कुमार सिंह, श्री अलीगढ़
353. संदीप सिंह, श्री प्रयागराज
354. सचिन यादव, श्री फिरोजाबाद
355. सतीश चन्द्र शर्मा, श्री बाराबंकी
356. सतीश महाना, श्री कानपुर नगर
357. सत्यपाल सिंह राठौर, श्री कासगंज
358. सभाकुंवर, श्री देवरिया
359. समरपाल सिंह, श्री अमरोहा
360. सरवन कुमार निषाद, इंजी0 गोरखपुर
361. सरिता भदौरिया, श्रीमती इटावा
362. सरोज कुरील, श्रीमती कानपुर नगर
363. सरोज सोनकर, श्रीमती बहराइच
364. सर्वेश सिंह, श्री फिरोजाबाद
365. सलोना कुशवाहा, श्रीमती शाहजहांपुर
366. साकेन्द्र प्रताप वर्मा, श्री बाराबंकी
367. सिद्धार्थ नाथ सिंह, श्री प्रयागराज
368. सीताराम वर्मा, श्री सुल्तानपुर
369. सुचि, श्रीमती बिजनौर
370. सुनील कुमार शर्मा, श्री गाजियाबाद
371. सुनील दत्त द्विवेदी, मेजर फर्रुखाबाद
372. सुनील पटेल, डॉ0 वाराणसी
373. सुभाष त्रिपाठी, श्री बहराइच
374. सुरभी, डॉ0 फर्रुखाबाद
375. सुरेन्द्र कुमार कुशवाहा, श्री कुशीनगर
376. सुरेन्द्र चौरसिया, श्री देवरिया
377. सुरेन्द्र मैथानी, श्री कानपुर नगर
378. सुरेश कुमार, श्री अमेठी
379. सुरेश कुमार खन्ना, श्री शाहजहांपुर
380. सुरेश राही, श्री सीतापुर
381. सुरेश्वर सिंह, श्री बहराइच
382. सुशांत सिंह, कुँवर बिजनौर
383. सुशील कुमार शाक्य, श्री फर्रुखाबाद
384. सुशील सिंह, श्री चन्दौली
385. सुहेब उर्फ मन्नु अन्सारी, श्री गाजीपुर
386. सूर्य प्रताप शाही, श्री देवरिया
387. सैय्यदा खातून, श्रीमती सिद्धार्थनगर
388. सोमेन्द्र सिंह तोमर, डॉ0 मेरठ
389. सौरभ श्रीवास्तव, श्री वाराणसी
390. सौरभ सिंह सोनू, श्री खीरी
391. स्वामी ओउमवेश, श्री बिजनौर
392. हंसु राम, श्री बलिया
393. हरविन्दर कुमार साहनी उर्फ रोमी साहनी, श्री खीरी
394. हरिओम, श्री कासगंज
395. हरिप्रकाश वर्मा, श्री शाहजहांपुर
396. हरीश चन्द्र, श्री बदायूं
397. हरेन्द्र सिंह, श्री हापुड़
398. हर्षवर्धन बाजपेयी, श्री प्रयागराज
399. हाकिम लाल बिन्द, श्री प्रयागराज
400. हिमान्शु यादव, श्री बदायूं
401. हृदय नारायण सिंह पटेल, श्री आजमगढ़
402. रिक्त
403. रिक्त

माननीय राज्यपाल महोदया

श्रीमती आनन्दीबेन पटेल

मंत्री-परिषद्

क्रमांक	नाम	कार्य विभाग (पोर्टफोलियो)
1	2	3
1	श्री योगी आदित्यनाथ, मुख्य मंत्री	नियुक्ति, कार्मिक, गृह, सतर्कता, आवास एवं शहरी नियोजन, राजस्व, खाद्य एवं रसद, नागरिक आपूर्ति, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, भू-तत्व एवं खनिकर्म, अर्थ एवं संख्या, राज्य कर एवं निबन्धन, सामान्य प्रशासन, सचिवालय प्रशासन, गोपन, सूचना, निर्वाचन, संस्थागत वित्त, नियोजन, राज्य सम्पत्ति, उ0 प्र0 पुनर्गठन समन्वय, प्रशासनिक सुधार, कार्यक्रम कार्यान्वयन, अवस्थापना, भाषा, अभाव सहायता एवं पुनर्वास, लोक सेवा प्रबन्धन, किराया नियंत्रण, प्रोटोकॉल, सैनिक कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल, नागरिक उड्डयन, न्याय एवं विधायी, धर्मार्थ कार्य तथा पंचायती राज विभाग।
2	श्री केशव प्रसाद मौर्य, उप मुख्य मंत्री	ग्राम्य विकास एवं समग्र ग्राम विकास तथा ग्रामीण अभियंत्रण, खाद्य प्रसंस्करण, मनोरंजन कर एवं सार्वजनिक उद्यम तथा राष्ट्रीय एकीकरण।
3	श्री ब्रजेश पाठक, उप मुख्य मंत्री	चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, परिवार कल्याण तथा मातृ एवं शिशु कल्याण।
		मंत्री
4	श्री सुरेश कुमार खन्ना	वित्त एवं संसदीय कार्य।
5	श्री सूर्य प्रताप शाही	कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान।
6	श्री स्वतंत्र देव सिंह	जल शक्ति तथा बाढ़ नियंत्रण।
7	श्रीमती बेबी रानी मौर्य	महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार।
8	श्री लक्ष्मी नारायण चौधरी	गन्ना विकास एवं चीनी मिलें।
9	श्री जयवीर सिंह	पर्यटन एवं संस्कृति।

1	2	3
10	श्री धर्मपाल सिंह	पशुधन एवं दुग्ध विकास, राजनैतिक पेंशन, अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज तथा नागरिक सुरक्षा।
11	श्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी'	औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एन0आर0आई0 तथा निवेश प्रोत्सान।
12	श्री अनिल राजभर	श्रम एवं सेवायोजन, समन्वय।
13	श्री जितिन प्रसाद	लोक निर्माण।
14	श्री राकेश सचान	सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग।
15	श्री अरविन्द कुमार शर्मा	नगर विकास, शहरी समग्र विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन, ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत।
16	श्री योगेन्द्र उपाध्याय	उच्च शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी।
17	श्री आशीष पटेल	प्राविधिक शिक्षा, उपभोक्ता संरक्षण एवं बांट माप।
18	श्री संजय निषाद	मत्स्य।
	राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)	
1	श्री नितिन अग्रवाल	आबकारी एवं मद्य निषेध।
2	श्री कपिल देव अग्रवाल	व्यवसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास।
3	श्री रवीन्द्र जायसवाल	स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन।
4	श्री संदीप सिंह	बेसिक शिक्षा।
5	श्रीमती गुलाब देवी	माध्यमिक शिक्षा।
6	श्री गिरीश चन्द्र यादव	खेल एवं युवा कल्याण।
7	श्री धर्मवीर प्रजापति	कारागार एवं होमगार्ड्स।
8	श्री असीम अरुण	समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण।
9	श्री जयेन्द्र प्रताप सिंह राठौर	सहकारिता।
10	श्री दयाशंकर सिंह	परिवहन।

1	2	3
11	श्री नरेन्द्र कुमार कश्यप	पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण।
12	श्री दिनेश प्रताप सिंह	उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात।
13	श्री अरुण कुमार सक्सेना	वन एवं पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन।
14	श्री दयाशंकर मिश्र "दयालु"	आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (MOS)।
	राज्य मंत्री	
1	श्री मयंकेश्वर शरण सिंह	संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, परिवार कल्याण तथा मातृ एवं शिशु कल्याण।
2	श्री दिनेश खटीक	जल शक्ति।
3	श्री संजीव कुमार गोंड	समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण।
4	श्री बल्देव सिंह औलख	कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान।
5	श्री अजीत पाल	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रानिक्स तथा सूचना प्रौद्योगिकी।
6	श्री जसवन्त सिंह सैनी	संसदीय कार्य तथा औद्योगिक विकास।
7	श्री रामकेश निषाद	जल शक्ति।
8	श्री मनोहर लाल मन्नु कोरी	श्रम एवं सेवायोजन।
9	श्री संजय सिंह गंगवार	गन्ना विकास एवं चीनी मिलें।
10	श्री बृजेश सिंह	लोक निर्माण।
11	श्री के0पी0 मलिक	वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन।
12	श्री सुरेश राही	कारागार।
13	श्री सोमेन्द्र तोमर	ऊर्जा एवं वैकल्पिक ऊर्जा।
14	श्री अनूप प्रधान 'वाल्मीकि'	राजस्व।
15	श्रीमती प्रतिभा शुक्ला	महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार।

1	2	3
16	श्री राकेश राठौर गुरू	नगर विकास, शहरी समग्र विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन।
17.	श्रीमती रजनी तिवारी	उच्च शिक्षा।
18.	श्री सतीश चन्द्र शर्मा	खाद्य एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति।
19.	श्री दानिश आजाद अंसारी	अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज।
20.	श्रीमती विजय लक्ष्मी गौतम	ग्राम्य विकास एवं समग्र ग्राम विकास तथा ग्रामीण अभियंत्रण।

नेता विरोधी दल,

श्री अखिलेश यादव।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के पदाधिकारी तथा अधिष्ठाता मण्डल

अध्यक्ष

श्री सतीश महाना

उपाध्यक्ष

रिक्त

प्रमुख सचिव

श्री प्रदीप कुमार दुबे

<u>अधिष्ठाता मण्डल</u>

1-श्री मनीष असीजा, सदस्य, विधान सभा (फिरोजाबाद),

2-श्री पंकज सिंह, सदस्य, विधान सभा (गौतमबुद्धनगर),

3-डा0 मंजू शिवाच, सदस्य, विधान सभा (गाजियाबाद),

4-श्री रवि शर्मा, सदस्य, विधान सभा (झांसी),

5-श्री ओमप्रकाश सिंह, सदस्य, विधान सभा (गाजीपुर),

6-श्री इन्द्रजीत सरोज, सदस्य, विधान सभा (कौशाम्बी),

7-श्री उमाशंकर सिंह, सदस्य, विधान सभा (बलिया),

8-श्री जय प्रताप सिंह, सदस्य, विधान सभा (सिद्धार्थनगर),

9-श्रीमती कृष्णा पासवान, सदस्य, विधान सभा (फतेहपुर),

10-रिक्त।

उत्तर प्रदेश विधान सभा

अट्ठारहवीं विधान सभा

मंगलवार, दिनांक 05 दिसम्बर, 2022

(विधान सभा की बैठक सभा मण्डप, लखनऊ में दिन के 11:00 बजे श्री अध्यक्ष, श्री सतीश महाना की अध्यक्षता में आरम्भ हुई)

उपस्थित सदस्य-330

1. अंकुर तिवारी, श्री — संत कबीरनगर
2. अखिलेश, श्री — आजमगढ़
3. अजय, श्री — गोण्डा
4. अजय कुमार, श्री — बागपत
5. अजय सिंह, श्री — बस्ती
6. अजीत पाल त्यागी, श्री — गाजियाबाद
7. अजीत सिंह पाल, श्री — कानपुर देहात
8. अताउर रहमान, श्री — बरेली
9. अतुल गर्ग, श्री — गाजियाबाद
10. अतुल प्रधान, श्री — मेरठ
11. अनिल कुमार, श्री — बुलन्दशहर
12. अनिल प्रधान, श्री — चित्रकूट
13. अनिल कुमार त्रिपाठी, श्री — संत कबीरनगर
14. अनिल कुमार मौर्य, डॉ0 — सोनभद्र
15. अनिल कुमार सिंह, श्री — उन्नाव
16. अनिल पाराशर, श्री — अलीगढ़
17. अनिल राजभर, श्री — वाराणसी
18. अनुपमा जायसवाल, श्रीमती — बहराइच
19. अनुराग सिंह, श्री — मिर्जापुर
20. अनूप सिंह उर्फ अनूप प्रधान वाल्मीकि, श्री — अलीगढ़
21. अन्जुला सिंह माहौर, श्रीमती — हाथरस
22. अभय सिंह, श्री — अयोध्या
23. अभिजीत सिंह 'साँगा', श्री — कानपुर नगर
24. अमन गिरि, श्री — लखीमपुर खीरी
25. अमरेश कुमार, श्री — लखनऊ
26. अमित अग्रवाल, श्री — मेरठ
27. अमित सिंह चौहान, डा0 — अयोध्या
28. अमिताभ बाजपेई, श्री — कानपुर नगर
29. अरमान खान, श्री — लखनऊ
30. अरुण कुमार, डॉ0 — बरेली
31. अर्चना पाण्डेय, श्रीमती — कन्नौज
32. अलका सिंह, श्रीमती — हरदोई
33. अवधेश प्रसाद, श्री — अयोध्या
34. अवधेश सिंह, डॉ0 — वाराणसी
35. अविनाश चन्द्र द्विवेदी, श्री — चित्रकूट
36. अशोक कुमार, श्री — रायबरेली
37. अशोक कुमार राणा, श्री — बिजनौर
38. असीम अरुण, श्री — कन्नौज
39. असीम कुमार, श्री — कुशीनगर
40. आदित्यनाथ योगी, श्री — गोरखपुर
41. आनन्द कुमार यादव, श्री — बहराइच
42. आर0 के0 पटेल, डॉ0 — जौनपुर
43. आराधना मिश्रा 'मोना', श्रीमती — प्रतापगढ़
44. आशा मौर्य, श्रीमती — सीतापुर
45. आशीष कुमार सिंह 'आशू', श्री — हरदोई

46. आशुतोष टण्डन 'गोपाल जी', श्री लखनऊ
47. आशुतोष शुक्ल, श्री उन्नाव
48. आशु मलिक, श्री सहारनपुर
49. इकबाल महमूद, श्री सम्भल
50. इन्द्रजीत सरोज, श्री कौशाम्बी
51. इन्द्राणी देवी, श्रीमती श्रावस्ती
52. उमर अली खान, श्री सहारनपुर
53. उमाशंकर सिंह, श्री बलिया
54. ऊषा मौर्या, श्रीमती फतेहपुर
55. ऋषि त्रिपाठी, श्री महराजगंज
56. एम0पी0 आर्य, डॉ0 बरेली
57. ओमकुमार, श्री बिजनौर
58. ओम प्रकाश, श्री गाजीपुर
59. ओम प्रकाश राजभर, श्री गाजीपुर
60. ओममणी वर्मा, श्रीमती बांदा
61. कमलाकान्त राजभर उर्फ पप्पू, श्री आजमगढ़
62. कविन्द्र चौधरी, श्री बस्ती
63. कृष्णपाल मलिक, श्री बागपत
64. कृष्णा पासवान, श्रीमती फतेहपुर
65. केतकी सिंह, श्रीमती बलिया
66. कैलाश, श्री चन्दौली
67. कैलाश नाथ, श्री बलरामपुर
68. कैलाश राजपूत, श्री कन्नौज
69. गणेश चन्द्र, श्री संत कबीरनगर
70. गिरीश चन्द्र यादव, श्री जौनपुर
71. गीता शास्त्री (पासी), श्रीमती प्रयागराज
72. गुड़िया कठेरिया, श्रीमती औरैया
73. गुरु प्रसाद मौर्य, श्री प्रयागराज
74. गुलाब देबी, श्रीमती सम्भल
75. गौरव कुमार, श्री बाराबंकी
76. गौरी शंकर वर्मा (कोरी), श्री जालौन
77. चन्द्रपाल सिंह, श्री बुलन्दशहर
78. चन्द्र प्रकाश लोधी (एडवोकेट), श्री फतेहपुर
79. चेतराम, श्री शाहजहांपुर
80. छोटे लाल वर्मा, श्री आगरा
81. जगदीश नारायण, श्री जौनपुर
82. जय कुमार सिंह जैकी, श्री फतेहपुर
83. जय देवी, श्रीमती लखनऊ
84. जयद्रथ उर्फ प्रवक्तानन्द, श्री पीलीभीत
85. जय प्रकाश अंचल, श्री बलिया
86. जय प्रताप सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
87. जयमंगल, श्री महराजगंज
88. जयवीर सिंह, ठाकुर अलीगढ़
89. जवाहर लाल राजपूत, श्री झांसी
90. जियाऊर्रहमान, श्री मुरादाबाद
91. जी एस धर्मेश, डॉ0 आगरा
92. जै किशन साहू, श्री गाजीपुर
93. ज्ञान तिवारी, श्री सीतापुर
94. ज्ञानेन्द्र सिंह, श्री महराजगंज
95. तसलीम अहमद, श्री बिजनौर
96. तेजपाल सिंह नागर, श्री गौतमबुद्धनगर
97. त्रिभुवन राम, श्री वाराणसी
98. दयाशंकर सिंह, श्री बलिया
99. दिनेश कुमार, श्री मेरठ
100. दिनेश रावत, श्री बाराबंकी
101. दीनानाथ भाष्कर, श्री भदोही
102. दीपक कुमार मिश्र ''शाका'', श्री देवरिया
103. दुधराम, श्री बस्ती

104. दुर्गा प्रसाद यादव, श्री आजमगढ़
105. देवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री रायबरेली
106. देवेन्द्र सिंह लोधी, श्री बुलन्दशहर
107. धर्मपाल सिंह, डॉ0 आगरा
108. धर्मराज सिंह यादव, श्री बाराबंकी
109. धर्मेश सिंह तोमर, श्री हापुड़
110. धीरेन्द्र सिंह, श्री गौतमबुद्धनगर
111. नन्दकिशोर, श्री गाजियाबाद
112. नन्द गोपाल गुप्ता ''नन्दी'', श्री प्रयागराज
113. नफीस अहमद, श्री आजमगढ़
114. नवाब जान, श्री मुरादाबाद
115. नागेन्द्र सिंह राठौर, श्री फर्रुखाबाद
116. नादिरा सुल्तान उर्फ बिटिया, श्रीमती कासगंज
117. नासिर कुरैशी, हाजी मुरादाबाद
118. नाहिद हसन, श्री शामली
119. नितिन अग्रवाल, श्री हरदोई
120. निर्मल वर्मा, श्री सीतापुर
121. नीरज बोरा, डॉ0 लखनऊ
122. नीलकण्ठ तिवारी, डॉ0 वाराणसी
123. नीलिमा कटियार, श्रीमती कानपुर नगर
124. पंकज, श्री जौनपुर
125. पंकज कुमार मलिक, श्री मुजफ्फरनगर
126. पंकज गुप्ता, श्री उन्नाव
127. पंकज सिंह, श्री गौतमबुद्धनगर
128. पंचानन्द पाठक (पी0एन0 पाठक), श्री कुशीनगर
129. पल्टूराम, श्री बलरामपुर
130. पल्लवी पटेल, डॉ0 कौशाम्बी
131. पीयूष रंजन निषाद, श्री प्रयागराज
132. पुरुषोत्तम खण्डेलवाल, श्री आगरा
133. पूजा, श्रीमती आजमगढ़
134. पूनम संखवार, श्रीमती कानपुर देहात
135. पूरन प्रकाश, श्री मथुरा
136. प्रकाश द्विवेदी, श्री बांदा
137. प्रतिभा शुक्ला, श्रीमती कानपुर देहात
138. प्रतीक भूषण सिंह, श्री गोण्डा
139. प्रदीप कुमार चौधरी, श्री बुलन्दशहर
140. प्रदीप कुमार सिंह, श्री हाथरस
141. प्रदीप शुक्ला, श्री गोरखपुर
142. प्रभात कुमार वर्मा, श्री गोण्डा
143. प्रभाष कुमार, श्री हरदोई
144. प्रभु नारायण सिंह यादव, श्री चन्दौली
145. प्रवीण पटेल, श्री प्रयागराज
146. प्रेम नरायन पाण्डेय, श्री गोण्डा
147. प्रेम पाल सिंह धनगर, श्री फिरोजाबाद
148. प्रेमसागर पटेल, श्री महराजगंज
149. फतेह बहादुर, श्री गोरखपुर
150. बम्बा लाल, श्री उन्नाव
151. बाबूराम, श्री पीलीभीत
152. बाबूलाल, श्री आगरा
153. बावन सिंह, श्री गोण्डा
154. बिजयलक्ष्मी गौतम, श्रीमती देवरिया
155. बेदी, श्री गाजीपुर
156. बेबीरानी मौर्य, श्रीमती आगरा
157. ब्रजभूषण राजपूत, श्री महोबा
158. ब्रजेश पाठक, श्री लखनऊ
159. ब्रजेश यादव, श्री बदायूं
160. भगवान सिंह कुशवाहा, श्री आगरा
161. भूपेश चौबे, श्री सोनभद्र

162. मंजू त्यागी, श्रीमती खीरी
163. मनीष असीजा, श्री फिरोजाबाद
164. मनीष कुमार उर्फ मन्टू, श्री कुशीनगर
165. मनीष रावत, श्री सीतापुर
166. मनीषा, श्रीमती हमीरपुर
167. मनोज कुमार पाण्डेय, श्री रायबरेली
168. मनोज कुमार पारस, श्री बिजनौर
169. मनोज कुमार प्रजापति, डॉ0 हमीरपुर
170. मनोहर लाल, श्री ललितपुर
171. मन्जू शिवाच, डॉ0 गाजियाबाद
172. मयंकेश्वर शरण सिंह, श्री अमेठी
173. महबूब अली, श्री अमरोहा
174. महेन्द्र, श्री अमरोहा
175. महेन्द्र नाथ यादव, श्री बस्ती
176. महेन्द्र पाल सिंह, श्री गोरखपुर
177. महेश चन्द्र गुप्ता, श्री बदायूं
178. महेश त्रिवेदी, श्री कानपुर नगर
179. माता प्रसाद पाण्डेय, श्री सिद्धार्थनगर
180. माधवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री हरदोई
181. मानवेन्द्र सिंह, श्री शाहजहांपुर
182. मारिया अली, श्रीमती बहराइच
183. मुक्ता संजीव राजा, श्रीमती अलीगढ़
184. मूल चन्द्र सिंह, श्री जालौन
185. मेघश्याम, श्री मथुरा
186. मो0 ताहिर खान, श्री सुल्तानपुर
187. मोहन वर्मा, श्री कुशीनगर
188. मोहम्मद हसन 'रूमी', श्री कानपुर नगर
189. मोहित सोनकर ''राहुल बच्चा'', श्री कानपुर नगर
190. मौहम्मद फहीम इरफान, श्री मुरादाबाद
191. योगेन्द्र उपाध्याय, श्री आगरा
192. योगेश धामा, श्री बागपत
193. योगेश वर्मा, श्री खीरी
194. योगेश शुक्ला, श्री लखनऊ
195. रघुराज प्रताप सिंह, श्री प्रतापगढ़
196. रजनी तिवारी, श्रीमती हरदोई
197. रत्नाकर मिश्रा, श्री मिर्जापुर
198. रफीक अंसारी, श्री मेरठ
199. रमापति शास्त्री, श्री गोण्डा
200. रमा शंकर सिंह, श्री मिर्जापुर
201. रमेश, श्री जौनपुर
202. रमेश चन्द्र मिश्र, श्री जौनपुर
203. रमेश जायसवाल, श्री चन्दौली
204. रविदास मेहरोत्रा, श्री लखनऊ
205. रवि शर्मा, श्री झांसी
206. रवेन्द्र पाल सिंह, श्री अलीगढ़
207. रश्मि आर्य, डॉ0 झांसी
208. राकेश कुमार गोस्वामी, श्री महोबा
209. आर0के0 वर्मा, डॉ0 प्रतापगढ़
210. राकेश प्रताप सिंह, श्री अमेठी
211. राकेश पाण्डेय, श्री अम्बेडकरनगर
212. राकेश राठौर, श्री सीतापुर
213. राकेश सचान, श्री कानपुर देहात
214. राघवेन्द्र शर्मा, डॉ0 बरेली
215. राजकुमार सहयोगी, श्री अलीगढ़
216. राज प्रसाद उपाध्याय, श्री सुल्तानपुर
217. राजमणि, श्री प्रयागराज
218. राजीव कुमार, श्री अमरोहा
219. राजीव सिंह उर्फ बब्बू भईया, श्री बदायूं
220. राजीव सिंह ''पारीक्षा'', श्री झाँसी

221. राजेन्द्र कुमार, श्री प्रतापगढ़
222. राजेन्द्र कुमार, श्री मऊ
223. राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, श्री बस्ती
224. राजेन्द्र सिंह पटेल, श्री फतेहपुर
225. राजेश कुमार गौतम, श्री सुल्तानपुर
226. राजेश चौधरी, श्री मथुरा
227. राजेश त्रिपाठी, श्री गोरखपुर
228. राजेश्वर सिंह, श्री लखनऊ
229. रानी पक्षालिका सिंह, श्रीमती आगरा
230. राम अवतार सिंह, श्री बिजनौर
231. रामकृष्ण भार्गव, श्री सीतापुर
232. रामकेश निषाद, श्री बांदा
233. रामखिलाड़ी सिंह, श्री सम्भल
234. रामचन्द्र यादव, श्री अयोध्या
235. रामदुलार, श्री सोनभद्र
236. राम निवास वर्मा, श्री बहराइच
237. रामपाल वर्मा, श्री हरदोई
238. राम प्रताप वर्मा उर्फ शशिकान्त वर्मा, श्री बलरामपुर
239. राम फेरन पाण्डेय, श्री श्रावस्ती
240. राम बिलाश चौहान, श्री मऊ
241. रामरतन कुशवाहा, श्री ललितपुर
242. राम सिंह, श्री प्रतापगढ़
243. राहुल प्रकाश कोल, श्री मिर्जापुर
244. राहुल राजपूत उर्फ राहुल लोधी, श्री रायबरेली
245. रितेश कुमार गुप्ता, श्री मुरादाबाद
246. रेखा वर्मा, श्रीमती औरैया
247. लकी यादव, श्री जौनपुर
248. लक्ष्मी राज सिंह, श्री बुलन्दशहर
249. लालजी वर्मा, श्री अम्बेडकर नगर
250. लोकेन्द्र प्रताप सिंह, श्री खीरी
251. वाचस्पति, श्री प्रयागराज
252. विकास गुप्ता, श्री फतेहपुर
253. विजयपाल (आढ़ती), श्री हापुड़
254. विनय कुमार द्विवेदी, श्री गोण्डा
255. विनय प्रकाश गोंड, श्री कुशीनगर
256. विनय वर्मा, श्री सिद्धार्थनगर
257. विनोद कुमार बिन्द, डॉ0 मिर्जापुर
258. विनोद चतुर्वेदी, श्री जालौन
259. विनोद शंकर अवस्थी, श्री खीरी
260. विनोद सिंह, श्री सुल्तानपुर
261. विपिन सिंह, श्री गोरखपुर
262. विपुल दुबे, श्री भदोही
263. विमलेश पासवान, डॉ0 गोरखपुर
264. विरेन्द्र कुमार यादव, श्री गाजीपुर
265. विवेक कुमार वर्मा, श्री पीलीभीत
266. विवेकानन्द पाण्डेय, श्री कुशीनगर
267. विशम्भर सिंह यादव, श्री बांदा
268. वीर विक्रम सिंह, श्री शाहजहांपुर
269. वीरेन्द्र चौधरी, श्री महराजगंज
270. वीरेन्द्र सिंह लोधी, श्री एटा
271. वेद प्रकाश गुप्ता, श्री अयोध्या
272. शलभ मणि त्रिपाठी, श्री देवरिया
273. शशांक त्रिवेदी, श्री सीतापुर
274. शशांक वर्मा, श्री खीरी
275. शहजिल इस्लाम अंसारी, श्री बरेली
276. शाहिद मंजूर, श्री मेरठ
277. शिव प्रताप यादव, डॉ0 बलरामपुर
278. श्याम प्रकाश, श्री हरदोई

279. श्याम बिहारी लाल, प्रो0 बरेली
280. श्यामधनी राही, श्री सिद्धार्थनगर
281. श्याम सुन्दर, श्री रायबरेली
282. श्रीकान्त कटियार, श्री उन्नाव
283. श्रीकान्त शर्मा, श्री मथुरा
284. श्रीराम चौहान, श्री गोरखपुर
285. संग्राम यादव, डॉ0 आजमगढ़
286. संग्राम सिंह, श्री बलिया
287. संजय कुमार शर्मा, श्री बुलंदशहर
288. संजय सिंह गंगवार, श्री पीलीभीत
289. संजीव अग्रवाल, श्री बरेली
290. संजीव कुमार गोंड, श्री सोनभद्र
291. संजीव कुमार दिवाकर, श्री एटा
292. संदीप कुमार सिंह, श्री अलीगढ़
293. सचिन यादव, श्री फिरोजाबाद
294. सतीश चन्द्र शर्मा, श्री बाराबंकी
295. सतीश महाना, श्री कानपुर नगर
296. सत्यपाल सिंह राठौर, श्री कासगंज
297. सभाकुंवर, श्री देवरिया
298. सरवन कुमार निषाद, इंजी0 गोरखपुर
299. सरोज कुरील, श्रीमती कानपुर नगर
300. सरोज सोनकर, श्रीमती बहराइच
301. सलोना कुशवाहा, श्रीमती शाहजहांपुर
302. साकेन्द्र प्रताप वर्मा, श्री बाराबंकी
303. सीताराम वर्मा, श्री सुल्तानपुर
304. सुचि, श्रीमती बिजनौर
305. सुनील कुमार शर्मा, श्री गाजियाबाद
306. सुनील दत्त द्विवेदी, मेजर फर्रुखाबाद
307. सुनील पटेल, डॉ0 वाराणसी
308. सुभाष त्रिपाठी, श्री बहराइच
309. सुरभी, डॉ0 फर्रुखाबाद
310. सुरेन्द्र कुमार कुशवाहा, श्री कुशीनगर
311. सुरेन्द्र चौरसिया, श्री देवरिया
312. सुरेन्द्र मैथानी, श्री कानपुर नगर
313. सुरेश कुमार, श्री अमेठी
314. सुरेश कुमार खन्ना, श्री शाहजहांपुर
315. सुरेश राही, श्री सीतापुर
316. सुरेश्वर सिंह, श्री बहराइच
317. सुशांत सिंह, कुँवर बिजनौर
318. सुशील सिंह, श्री चंदौली
319. सुहेब उर्फ मन्नु अन्सारी, श्री गाजीपुर
320. सूर्य प्रताप शाही, श्री देवरिया
321. सैय्यदा खातून, श्रीमती सिद्धार्थनगर
322. सौरभ श्रीवास्तव, श्री वाराणसी
323. हंसु राम, श्री बलिया
324. हरविन्दर कुमार साहनी उर्फ रोमी साहनी, श्री खीरी
325. हरिओम, श्री कासगंज
326. हरिप्रकाश वर्मा, श्री शाहजहांपुर
327. हरीश चन्द्र, श्री बदायूं
328. हाकिम लाल बिन्द, श्री प्रयागराज
329. हिमान्शु यादव, श्री बदायूं
330. हृदय नारायण सिंह पटेल, श्री आजमगढ़

नोट :-मुख्य मंत्री (श्री योगी आदित्यनाथ), जल शक्ति मंत्री (श्री स्वतंत्र देव सिंह), प्राविधिक शिक्षा मंत्री (श्री आशीष पटेल), मत्स्य मंत्री (श्री संजय निषाद), सहकारिता मंत्री (श्री जयेन्द्र प्रताप सिंह राठौर), पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री (श्री नरेन्द्र कश्यप), आयुष मंत्री (श्री दयाशंकर मिश्र "दयालु"), अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री (श्री दानिश आजाद अंसारी) भी उपस्थित रहें।

राष्ट्रीय गीत

वन्दे मातरम्।

वन्दे मातरम्। वन्दे मातरम्।।

सुजलाम्।

सुफलाम्।

मलयज शीतलाम्

शस्य श्यामलाम्।

मातरम्। वन्दे मातरम्।।

शुभ्र-ज्योत्स्ना-पुलकित-यामिनीम्

फुल्ल-कुसुमित-द्रुमदल शोभिनीम्

सुहासिनीम्

सुमधुर भाषिणीम्

सुखदाम्

वरदाम्

मातरम्। वन्दे मातरम्।।

[11:01] उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्य मंत्री श्री मुलायम सिंह यादव के निधन पर शोकोद्गार

श्री अध्यक्ष-

निधन के निर्देश माननीय मुख्य मंत्री जी।

मुख्य मंत्री (श्री योगी आदित्यनाथ)-

माननीय अध्यक्ष जी, इस सम्माननीय सदन को बड़े दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्य मंत्री एवं देश के पूर्व रक्षा मंत्री श्री मुलायम सिंह यादव जी का 10 अक्टूबर, 2022 को लगभग तिरासी वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनका निधन हम सभी के लिए दुःखद है। भारत की राजनीति में श्री मुलायम सिंह यादव जी का एक दीर्घ अनुभव और योगदान रहा है। वह एक साधारण परिवेश से आए जमीन से जुड़े नेता थे। सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में उनकी उपलब्धियां बहुत असाधारण रही हैं। श्री मुलायम सिंह यादव जी का जन्म 22 नवम्बर, 1939 को इटावा जनपद के सैफई ग्राम में हुआ था। 15 वर्ष की आयु से ही उन्होंने समाजवादी नेता डॉ0 राम मनोहर लोहिया के विचारों से प्रेरित होकर

सामाजिक आन्दोलनों में भाग लिया और समाज सेवा से जुड़ गए। उन्होंने एक शिक्षक के रूप में प्रारम्भिक जीवन की शुरुआत की और श्री कर्पूरी ठाकुर, श्री राज नारायण के सम्पर्क में आकर वह सक्रिय राजनीति में आए। श्री मुलायम सिंह यादव जी सर्वप्रथम 1967 में तत्पश्चात् 1974, 1977, 1985, 1989, 1991, 1993, 1996, 2004 एवं 2007 में दस बार विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। वर्ष 1982 में वह विधान परिषद् के सदस्य निर्वाचित हुए थे।

वह श्री राम नरेश यादव मंत्रि-मण्डल एवं श्री बनारसी दास मंत्रि-मण्डल में मंत्री एवं विधान सभा एवं विधान परिषद् में नेता विरोधी दल के पद पर भी रहे। श्री मुलायम सिंह यादव जी वर्ष 1989 से 1991, 1993 से 1995 एवं 2003 से 2007 तक तीन बार प्रदेश के मुख्य मंत्री पद पर रहे। वर्ष 1996, 1998, 1999, 2004, 2009, 2014 तथा वर्ष 2019 में लोक सभा के सदस्य भी निर्वाचित हुए। वर्ष 1996 से 1998 तक वे श्री एच0 डी0 देवगौड़ा तथा श्री इन्द्र कुमार गुजराल के केन्द्रीय मंत्रि-मण्डल में रक्षा मंत्री रहे। रक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने सेना की पूर्व की व्यवस्था में परिवर्तन करने और शहीद सैनिकों के पार्थिव शरीर को उनके घरों तक पहुंचाने का निर्णय भी लिया था वह संसद की पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस सम्बन्धी स्थायी समिति एवं ऊर्जा सम्बन्धी स्थायी समिति के सभापति, एवं लोक सभा की विभिन्न समितियों के सदस्य एवं लोक सभा में नेता समाजवादी संसदीय दल भी रहे थे। श्री मुलायम सिंह यादव जी विधान सभा की विभिन्न महत्वपूर्ण समितियों के सदस्य एवं उत्तर प्रदेश लोकदल, उत्तर प्रदेश लोकदल (ब) एवं उत्तर प्रदेश जनता दल के अध्यक्ष रहे थे।

वर्ष 1992 में उन्होंने समाजवादी पार्टी की स्थापना की। वह विभिन्न आन्दोलनों के अन्तर्गत इटावा, वाराणसी तथा फतेहगढ़ आदि कारागारों में बन्दी रहे। वह कई शिक्षण संस्थानों की प्रबन्ध समिति के सदस्य, प्रबन्धक तथा अध्यक्ष भी रहे। श्री मुलायम सिंह यादव जी के निधन से भारतीय राजनीति के एक संघर्षशील युग का अन्त हो गया। मैं उनके प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुये ईश्वर से उनकी आत्मा की शान्ति की कामना करते हुये उनके दुखी परिजनों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूँ और माननीय अध्यक्ष जी, आपसे अनुरोध करता हूँ कि आप इस सदन की भावना को उनके शोक संतप्त और दुखी परिजनों तक पहुँचाने की कृपा करें। धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

माननीय नेता, समाजवादी पार्टी।

***श्री मनोज कुमार पाण्डेय-**

माननीय अध्यक्ष जी, समाजवादी पार्टी के संस्थापक, संरक्षक तथा उत्तर प्रदेश के तीन बार मुख्य मंत्री एवं देश के रक्षा मंत्री रहे श्री मुलायम सिंह यादव जी का 10 अक्टूबर, 2022

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

को लगभग 83 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन से समाजवाद के एक युग का अन्त हो गया। उनका निधन हम सभी के लिये अत्यन्त दुःखद है। माननीय नेता जी का व्यक्तित्व बहुमुखी, असाधारण और विराट था। समाजवादी विचारधाराओं के महान राजनेताओं ने जिस समाजवादी चिन्तन और राजनीति की नींव रखी थी उसे माननीय मुलायम सिंह यादव जी ने आगे बढ़ाने तथा उसे और अधिक मजबूत करने का काम किया। समाजवाद की राजनीति करने वाले एक संघर्षशील नेता तथा सामाजिक न्याय के प्रबल पक्षधर के रूप में उन्होंने वंचितों के उत्थान तथा समाजवाद की स्थापना और उसके प्रसार की दिशा में अपना सम्पूर्ण जीवन अर्पित कर दिया।

माननीय नेता जी ने एक साधारण किसान परिवार में जन्म लेकर के अपने संकल्प और अपनी वैचारिक प्रतिबद्धता से समाजवाद को जन-जन का आन्दोलन बनाने का काम किया। मात्र 15 वर्ष की आयु में ही उन्होंने समाजवादी विचारों से ओतप्रोत होकर सामाजिक आन्दोलनों में भाग लिया और समाजसेवा से जुड़ गये। उन्होंने राजनीति की शुरुआत छात्रसंघ के अध्यक्ष के रूप में की। एक शिक्षक के रूप में उन्होंने प्रारम्भिक जीवन की शुरुआत की, परन्तु डा0 राम मनोहर लोहिया, श्री कर्पूरी ठाकुर जैसे समाजवादी नेताओं से प्रेरित होकर वह सक्रिय राजनीति में आये। सर्वप्रथम वर्ष 1967 में वह जसवन्तनगर, इटावा से संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी से विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुये। इसके बाद वर्ष 1974, 1977, 1985, 1989, 1991, 1993, 1996, 2004 व 2007 में वह दसवीं बार विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुये। वर्ष 1992 में वह विधान परिषद् के सदस्य भी निर्वाचित हुये और विधान परिषद् तथा विधान सभा में नेता विरोधी दल के पद पर रहे। वह विधान सभा की महत्वपूर्ण समितियों के सदस्य भी रहे। वह श्री रामनरेश यादव मंत्रि मण्डल एवं श्री बनारसी दास मंत्रिमण्डल में मंत्री भी रहे। माननीय नेता जी ने एक संवेदनशील जनप्रतिनिधि और मंत्री के रूप में जनता के कल्याण और प्रदेश के विकास के लिये कार्य किया। वर्ष 1989 से 1991, 1993 से 1995 तथा 2003 से 2007 तक वह प्रदेश के तीन बार मुख्य मंत्री रहे। मुख्य मंत्री के रूप में प्रदेश के विकास और समाज के सभी वर्गों के लिये ऐसे कार्य किये जो प्रदेश की राजनीति में मील का पत्थर साबित हुये। वह राजभाषा हिन्दी के प्रबल पक्षधर थे। उन्होंने पी0सी0एस0 की परीक्षा में अंग्रेजी की अनिवार्यता समाप्त की, जिससे प्रदेश के लाखों ग्रामीण परिवेश के शिक्षित युवाओं को लाभ हुआ और वह इन परीक्षाओं में सम्मिलित हो सके। लोक सभा सदस्य के रूप में उत्तर प्रदेश की राजनीति के साथ-साथ देश की राजनीति में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वह वर्ष 1996, 1998, 1999, 2004, 2009 तथा 2014 में लोक सभा के सदस्य के रूप में निर्वाचित हुये। मैनपुरी संसदीय क्षेत्र से वह वर्तमान 17वीं लोक सभा सभा के सदस्य थे। वह संसद की पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस सम्बन्धी स्थायी समिति एवं ऊर्जा सम्बन्धी स्थायी समिति के सभापति तथा विभिन्न महत्वपूर्ण संसदीय समितियों के सदस्य रहे।

मान्यवर, मा0 नेता जी वर्ष 1996 से 1998 के मध्य श्री एच0डी0 देवगौड़ा और श्री इन्द्र कुमार गुजराल जी के केन्द्रीय मंत्रि-मण्डल में देश के रक्षा मंत्री के रूप में रहे। रक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने देश हित में कई परम्परायें आरम्भ की, देश की सेवा में समर्पित सेना के किसी भी जवान की सहादत पर उनका पार्थिव शरीर पूरे सम्मान के साथ उनके परिजनों को सौपने का कार्य किया, जिससे परिवार उनका अन्तिम दर्शन कर सके। वह देश के पहले ऐसे रक्षा मंत्री थे जो सियाचिन के ग्लेशियर पर गए और देश की सीमा पर तैनात जवानों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने देश की सुरक्षा एवं सैनिकों के सम्मान की दिशा में अनेक ऐतिहासिक कार्य किए। उत्तर प्रदेश एवं राष्ट्रीय राजनीति में उनकी छवि एक ऐसे राजनेता के रूप में रही जिन्होंने कभी भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। जहां एक ओर वह अपने राजनैतिक सिद्धांतों पर अडिग रहने वाले नेता थे वहीं दूसरी ओर सबको साथ लेकर चलने वाले सरल हृदय व्यक्ति भी थे उनका वैचारिक विरोध उनके निजी संबंधों में आड़े नहीं आता था। सभी दलों से उनके संबंध बहुत ही मधुर थे उनके व्यक्तित्व की यह खूबी थी की राजनीतिक मतभेदों के बावजूद भी वह अपने विरोधी नेताओं के बीच बहुत लोकप्रिय थे। उनकी आत्मीयता जितनी मित्रों और सहयोगियों के प्रति थी उतनी ही अपने कार्यकर्ताओं, सामान्य मतदाताओं और अपने सभी नेताओं के प्रति भी थी। वर्ष 1992 में उन्होंने डा0 राम मनोहर लोहिया की प्रेरणा से समाजवादी पार्टी की स्थापना की और पार्टी के माध्यम से समाजवादी आंदोलन को पुनर्जीवित किया। सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों की लड़ाई लड़ी। भारतीय संस्कृति, युवाओं, किसानों, अल्पसंख्यकों, श्रमिकों, शोषितों एवं पीड़ित वर्गों के लिए अनवरत् संघर्ष करते रहे। उनका स्नेह और आशीर्वाद पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता और क्षेत्र की जनता को सामान्य रूप से मिलता रहा।

नेता जी के रूप में वह पहले व्यक्ति थे जो नेता जी सुभाष चन्द्र बोस के बाद पूरे देश में किसी को नेता जी के नाम से नवाजा गया। नेता जी के रूप में वह प्रत्येक कार्यकर्ता के हृदय में आज भी बसे हुए हैं। समाजवादी पार्टी के नेता एवं संरक्षक के रूप में उनका आशीर्वाद मुझे सदैव प्राप्त होता रहा है। उनका एक लम्बा सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन मेरे लिए प्रेरणा और मार्गदर्शक का काम करता रहा। नेता जी अपने पूरे राजनीतिक जीवन में किसानों के हितों की लड़ाई सदन से लेकर सड़क तक लड़ते रहे। देश में किसानों की स्थिति पर एवं देश की सीमाओं की सुरक्षा के प्रति वह सदैव चिन्तित रहते थे इस संबंध में उन्होंने कई बार देश की लोक सभा में अपनी चिन्ता और सुझाव दोनों समय-समय पर रखे। राष्ट्रीय सुरक्षा, गरीबी, रोजगारों, समाज के अन्तिम पायदान पर बैठे हुए व्यक्ति को कैसे न्याय मिले इस पर नेता जी ने सदैव चिन्ता करी और पदों एवं दायित्वों पर रहते हुए उस पर काम किया। अपने मुख्य-मंत्रित्व काल में बेरोजगारी भत्ता, कन्या विद्या धन जैसी योजनाओं को संचालित करने का काम किया। मैं समझता हूँ कि देश में इतने उदारवादी और संवेदनशील ऐसे नेता को हमने खोया है जिन्होंने पूरे जीवन अपने रिश्तों का संजो कर रखा है। मा0 अध्यक्ष जी एक

घटना का मैं स्वयं गवाह हूँ जब नेता जी उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री थे, 2004 की सरकार में मैं उनके साथ राज्यमंत्री था, नेता जी अपने कार्यालय जा रहे थे इसी हजरतगंज चौराहे पर मा0 नेता जी जब पहुँचे तो उनकी नजर वहां पर खड़े हुए एक कॉन्सटेबल पर पड़ी जो कि कारागार विभाग के थे मैं उनकी ही गाड़ी में उनके साथ बैठा था, कॉन्सटेबल को देखते ही उन्होंने गाड़ी रोकने को कहा और उन्हें अपने निकट बुलाया और उनसे उन्होंने कहा कि तुम यहां कैसे हो, तुमने हमें पहचाना कि नहीं पहचाना, जब मैं इटावा की जेल में था तो पानी अच्छा नहीं आता था तो तुमने बाहर से अच्छा पानी लाकर देने का काम किया था। वह व्यक्ति रोने लगा और कहने लगा कि हमारी पत्नी को कैंसर डाइग्नोस हुआ है हमें विभाग से छुट्टी नहीं मिल पा रही है, इलाज के लिए हमारे पास पैसा भी नहीं है। नेता जी ने अपने साथ की गाड़ी में उन्हें बैठाया और साथ अपने कार्यालय लेकर आए एवं अपने तत्कालीन प्रमुख सचिव से तत्काल उनकी छुट्टी ही नहीं मंजूर करायी बल्कि उनके इलाज का पूरा खर्च स्वयं अपने निजी खर्च से कराने का काम किया, और उनका इलाज कराने का काम किया।

नेता जी गरीब, कमजोर, असहायों, किसानों के लिए सदैव चिन्तित रहे। आज नेता जी श्री मुलायम सिंह यादव जी के निधन से समाजवादी पार्टी को ही नहीं बल्कि समाजवादी आन्दोलन की भी अपूर्णनीय क्षति हुई है। देश, प्रदेश और समाज के प्रति उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। आज इस सदन में उनके प्रति शोक संवेदना प्रकट किये जाने के अवसर पर मैं अपने और अपनी पार्टी की तरफ से उनके प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूँ और ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि उनकी आत्मा को शान्ति मिले।

प्राविधिक शिक्षा, उपभोक्ता संरक्षण एवं बाट माप मंत्री (श्री आशीष पटेल)-

माननीय अध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्य मंत्री, समाजवाद के प्रखर नेता, उत्तर प्रदेश के तीन बार मुख्य मंत्री रहे श्री मुलायम सिंह यादव जी के निधन से आज पूरा सदन शोकाकुल है। उनके निधन से भारतीय राजनीति और समाजवादी विचारधारा में शून्यता का भाव हम सब महसूस कर रहे हैं। श्री मुलायम सिंह यादव जी के जीवन में समाजवादी नेताओं के विचारों का गहरा प्रभाव था। उनकी प्रेरणा से ही उन्होंने समाजवादी आन्दोलन में भाग लिया और राजनीति में आये। भारतीय राजनीति में उनका दीर्घ अनुभव था। सक्रिय राजनीति में वर्ष 1967 में आये जब वे संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी के टिकट पर पहली बार विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए। अपने संघर्षशील और सौम्य व्यवहार से उन्होंने जनता के बीच अपनी अलग छवि बनाई। जिसके चलते सन 1967 से सन 2007 तक कुल 10 बार विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए। यह जनता में उनकी लोकप्रियता को सहज रूप से दर्शाता है। विधान सभा सदस्य के रूप में वे नेता विरोधी दल भी रहे। विभिन्न महत्वपूर्ण समितियों के सदस्य भी रहे। इसके साथ ही विधान परिषद् के सदस्य रहे और उस सदन में भी नेता विरोधी दल के दायित्वों का निर्वहन किया। उन्होंने पूर्व मुख्य मंत्री श्री रामनरेश यादव जी तथा

श्री बनारसी दास मंत्रि-मण्डल में विभिन्न विभागों के मंत्री के रूप में अपने दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया। उत्तर प्रदेश की राजनीति में श्री मुलायम सिंह यादव जी का एक विशेष स्थान रहा है। इस सदन के सदस्य के रूप में, एक मंत्री के रूप में एक संवेदनशील जनप्रतिनिधि के रूप में उन्होंने पिछड़ों और वंचितों के अधिकारों के लिए हमेशा संघर्ष किया।

उनके संघर्षशील व्यक्तित्व और लोकप्रियता का ही परिणाम था कि वे प्रदेश के तीन बार मुख्य मंत्री बने। प्रदेश की राजनीति के साथ-साथ उन्होंने अपने राजनीतिक कौशल का परिचय लोक सभा सदस्य के रूप में भी दिया। वे सात बार लोक सभा के सदस्य निर्वाचित हुए। लोक सभा में भी वे अनेक महत्वपूर्ण समितियों के सदस्य तथा सभापति रहे। समाजवादी संसदीय दल के नेता भी रहे। वर्तमान में वे लोक सभा के सदस्य थे। केन्द्रीय राजनीति में उनकी गिनती एक जिम्मेदार और बड़े नेताओं में होती थी। केन्द्र में श्री एच0डी0 देवगौड़ा तथा श्री इन्द्र कुमार गुजराल के केन्द्रीय मंत्रि-मण्डल में रक्षा मंत्री रहे। रक्षा मंत्री के रूप में उनके द्वारा लिये गये अनेक निर्णयों ने हमारी देश की सेना का सम्मान और गौरव बढ़ाया। श्री मुलायम सिंह यादव जी का सम्पूर्ण जीवन संघर्ष का जीवन रहा। वे समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए हमेशा संघर्षरत रहे और जीवन के अन्तिम समय तक समाज की सेवा करते रहे। श्री मुलायम सिंह यादव जी के निधन से देश, प्रदेश और समाज की अपूर्णीय क्षति हुई है। मैं अपनी पार्टी तथा अपनी नेता की ओर से उनके प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूँ एवं ईश्वर से उनकी आत्मा की शान्ति के लिए कामना करते हुए उनके दुखी परिजनों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

श्री अजय कुमार-

सहज संघर्षशील, मृदुभाषी, समाजवादी विरासत को आगे बढ़ाने वाले बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी नेताजी मुलायम सिंह यादव जी के निधन से आज हम सब दुःखी मन से उन्हें श्रद्धान्जलि अर्पित करने के लिए यहां उपस्थित हैं। उनका निधन किसी पार्टी विशेष नहीं बल्कि सभी दल के नेताओं के लिए दुःखद है। चौधरी चरण सिंह जी के कट्टर अनुयायी श्री मुलायम सिंह यादव जी जैसे विशाल हृदय और सर्वमान्य नेता, वर्तमान राजनीतिक समय में बहुत ही कम देखने को मिलते हैं। उनका व्यक्तित्व और संघर्ष से भरा जीवन उनकी समाजवादी विचारधारा और यात्रा को दर्शाता है। एक छोटे से गांव में जन्म लेकर उत्तर प्रदेश जैसे विशाल प्रदेश के मुख्य मंत्री तथा देश के रक्षा मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों का कुशलता पूर्वक निवर्हन करने का सफर हम सभी के लिए प्रेरणा स्वरूप है। वर्ष 1967 में पहली बार विधान सभा के सदस्य निर्वाचित होने के बाद से उन्होंने एक सक्रिय जनप्रतिधि के रूप में सदन में समाज के सभी वर्गों के हितों की बात उठाई, उनके लिए संघर्ष करते रहे।

वे वर्ष 1967 से वर्ष 2007 तक दस बार इस सदन के सदस्य निर्वाचित हुए। जो अपने आप में एक कीर्तिमान है, वे उत्तर प्रदेश विधान सभा के साथ-साथ विधान परिषद् के

सदस्य तथा नेता विरोधी दल भी रहे हैं। श्री राम नरेश यादव मंत्रि-मण्डल में सहकारिता व पशुधन मंत्री तथा बनारसी दास मंत्रि-मण्डल में सहकारिता मंत्री भी रहे हैं।

वह उत्तर प्रदेश की राजनीति के केंद्र में रहे और प्रदेश की राजनीति उनके इर्द-गिर्द घूमती रही। उनकी लोकप्रियता और कुशलता का ही परिणाम था कि वे प्रदेश के मुख्य मंत्री के पद पर तीन बार आसीन रहे। उन्होंने जब-जब प्रदेश के मुख्य मंत्री के रूप में बागडोर संभाली तो प्रदेश में उनके कुशल नेतृत्व और प्रशासनिक क्षमता को देखा गया। उन्होंने सामाजिक और आर्थिक विषमताओं को दूर करने के अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए उनकी अनोखी कार्यशैली से सभी दल प्रभावित रहे। श्री मुलायम सिंह यादव जी वर्ष 1996, 1998, 1999, 2004, 2009, 2014 तथा 2019 में लोकसभा के सदस्य रहे। सदन की पैट्रोलियम व प्राकृतिक गैस संबंधी स्थायी समिति व ऊर्जा संबंधी स्थायी समिति के सभापति तथा विधान सभा व लोक सभा में भी विभिन्न संसदीय समितियों के सदस्य भी रहे। वे श्री एच0डी0 देवगौड़ा तथा श्री इन्द्र कुमार गुजराल के मंत्रि-मण्डल में रक्षा मंत्री भी रहे। रक्षा मंत्री के रूप में भी उन्होंने अनेक ऐतिहासिक कार्य किए जैसे कि देश की सुरक्षा व्यवस्था व हमारे वीर सैनिकों और उनके परिवारों के लिए उन्होंने अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए जिनकी मिसाल आज भी दी जाती है। श्री मुलायम सिंह यादव के व्यक्तित्व में यह खूबी थी कि तमाम व्यस्तताओं के बावजूद वह जनता और अपने शुभचिंतकों के सम्पर्क में रहा करते थे। उनकी राजनैतिक विचारधारा को मानने वाले या उनके विरोधी हों सभी के प्रति उनका सरल स्वभाव था। यह हम सबको प्रेरणा देता है और आज भी यह बात प्रसांगिक है कि राजनैतिक मतभेदों को उन्होंने कभी भी व्यक्तिगत संबंधो में आड़े नहीं आने दिया। वह सरल और सहज नेता के रूप में वे सभी के प्रिय थे। उनके निधन से देश प्रदेश व समाज को अपूर्णीय क्षति हुई है। मैं अपनी और अपने दल राष्ट्रीय लोकदल की ओर से उनके प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूँ और ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति की कामना करते हुए उनके दुःखी परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूँ। मा0 अध्यक्ष जी, आप से अपेक्षा है कि हमारी संवेदनाएं उनके परिवारजनों को पहुंचाने की कृपा करें।

श्री अध्यक्ष-

श्री संजय निषाद जी,

मत्स्य मंत्री (श्री संजय निषाद)-

मा0 अध्यक्ष जी, श्री मुलायम सिंह यादव उत्तर प्रदेश के तीन बार मुख्य मंत्री और देश के रक्षा मंत्री रहे। श्री मुलायम सिंह यादव का निधन प्रदेश व देश की राजनीति में दुःखद घटना है। उनका निधन हम सभी के लिए दुःखद है वे लम्बे समय से बीमार चल रहे थे और 83 वर्ष की आयु में 10 अक्टूबर, 2022 को उनका निधन हो गया। श्री मुलायम सिंह यादव सरल, विनम्र और जमीन से जुड़े हुए और किसान नेता थे। भारतीय राजनीति का उनको लम्बा अनुभव था। उनके जीवन पर श्री जय प्रकाश नारायण व डॉक्टर राम मनोहर लोहिया जैसे

महान समाजवादी नेताओं के विचारों का गहरा प्रभाव था उनकी ही प्रेरणा से उन्होंने समाजवादी आन्दोलन में भाग लिया और राजनीति में आये और उनके साथ हमें भी कुछ समय बिताने का अवसर प्राप्त हुआ था। श्री मुलायम सिंह यादव जी दस बार विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुए। वे सर्वप्रथम वर्ष 1967 में जसवंत नगर इटावा से निर्वाचित हुए। तत्पश्चात् वे वर्ष 1974, 1977, 1985, 1989, 1991, 1993, 1996, 2004, 2007 में विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुए। वर्ष 1982 में विधान परिषद् के सदस्य भी रहे। वह श्री रामनरेश यादव मंत्रि-मण्डल में सहकारिता व पशुधन मंत्री तथा श्री बनारसी दास मंत्रि-मण्डल में सहकारिता मंत्री रहे। वे विधान सभा में नेता विरोधी दल के रूप में भी रहे। श्री मुलायम सिंह यादव को तीन बार उत्तर प्रदेश का मुख्य मंत्री बनने का गौरव प्राप्त हुआ है।

वह दिसम्बर, 1989 से जून, 1991, दिसम्बर, 1993 से 1995 तथा अगस्त, 2003 से मई, 2007 तक उत्तर प्रदेश के तीन बार मुख्य मंत्री पद पर आसीन रहे। वह वर्ष 1996, 1998, 1999, 2004, 2009, 2014 तथा 2019 में लोक सभा के सदस्य निर्वाचित हुये थे। वह श्री एच0डी0 देवगौड़ा तथा श्री इन्द्र कुमार गुजराल के केन्द्रीय मंत्रि-मण्डल में रक्षा मंत्री रहे। रक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने ऐतिहासिक कार्य किये। देश की सुरक्षा व्यवस्था और हमारे वीर सैनिकों तथा उनके परिवारों के लिए उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण कार्य किये, जो मिसाल के रूप में आज भी याद किये जाते हैं। वह संसद की अनेक महत्वपूर्ण समितियों के सदस्य तथा सभापति रहे। वह समाजवादी संसदीय दल के नेता भी रहे। एक शिक्षक से विधान सभा और लोक सभा तक की यात्रा करके उन्होंने मुख्य मंत्री तथा रक्षा मंत्री सहित अनेक महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है। उन्होंने पिछड़ों, वंचितों, शोषितों तथा हमारे मछुआ समुदाय के आरक्षण, हितों और उत्थान के लिए विशेष काम किया है। उन्होंने समाज के निचले पायदान पर रहने वाले व्यक्ति को मुख्य धारा से जोड़ने के लिए अनेक आंदोलन भी किये। उन्होंने अपनी कार्यशैली तथा समाजवादी विचारधारा को कभी भी बदलने का काम नहीं किया और निष्पक्ष विचारधारा और सर्वमान्य नेता के रूप में अपनी छवि को बनाये रखा। माननीय मुलायम सिंह यादव के निधन से देश, समाज और प्रदेश को अपूर्णनीय क्षति हुई हैं। मैं अपने तथा अपने दल की ओर से उनके प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूँ और ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति की कामना करते हुए उनके दुखी परिजनों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूँ।

***श्री ओम प्रकाश राजभर-**

माननीय अध्यक्ष जी, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्य मंत्री श्री मुलायम सिंह यादव जी का दिनांक 10 अक्टूबर, 2022 को निधन हो गया। उनकी आयु लगभग 83 वर्ष थी। वह लम्बे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। उनका निधन हम सभी के लिए दुःखद है। धरती पुत्र और नेता जी के नाम से प्रख्यात श्री मुलायम सिंह यादव जी सरल, विनम्र एवं जमीन से जुड़े सर्वमान्य

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

जनप्रिय किसान नेता थे। भारतीय राजनीति में उनका लम्बा अनुभव था। उनका जन्म इटावा के ग्राम सैफई के एक साधारण किसान परिवार में हुआ था। उनके जीवन पर समाजवादी नेता डा0 राम मनोहर लोहिया के विचारों का गहरा प्रभाव था। डा0 लोहिया की प्रेरणा से उन्होंने समाजवादी आंन्दोलन में भाग लिया और राजनीति में आये। डा0 लोहिया को प्रतीक बनाकर वर्ष 1992 में समाजवादी पार्टी का गठन किया और वह समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे। श्री मुलायम सिंह यादव जी को तीन बार उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री होने का गौरव प्राप्त हुआ। वह दिसम्बर, 1989 से जून, 1991, दिसम्बर, 1993 से जून, 1995 तथा तीसरी बार अगस्त, 2002 से मई, 2007 तक प्रदेश के मुख्य मंत्री पद पर आसीन रहे। श्री मुलायम सिंह यादव जी दस बार विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुये।

वह सर्वप्रथम 1967 में जसवंतनगर इटावा से संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी से विधान सभा के सदस्य निर्वावित हुये तत्पश्चात् वह वर्ष 1974, 1977, 1985, 1989, 1991, 1993, 1996, 2004, 2007 में विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुये थे। वर्ष 1982 में वह विधान परिषद के सदस्य भी रहे। वह श्री राम नरेश यादव मंत्रि-मण्डल एवं श्री बनारसी दास मंत्रि-मण्डल में मंत्री तथा विधान सभा एवं विधान परिषद् में नेता विरोधी दल भी रहे। वर्ष 1996, 1998, 1999, 2004, 2009, 2014 तथा 2019 में वह लोक सभा के सदस्य भी निर्वाचित हुये। वह श्री एच0डी0 देवगौड़ा और श्री इन्द्र कुमार गुजराल के केन्द्रीय मंत्रि-मण्डल में रक्षा मंत्री रहे। वह संसद की पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस संबंधी स्थायी समिति और ऊर्जा संबंधी स्थायी समिति के सभापति तथा विधान सभा एवं लोक सभा की विभिन्न समितियों में महत्वपूर्ण संसदीय समितियों के सदस्य और लोक सभा के नेता समाजवादी संसदीय दल भी रहे। श्री मुलायम सिंह यादव उत्तर प्रदेश लोक दल, उत्तर प्रदेश लोक दल (ब) तथा उत्तर प्रदेश जनता दल के अध्यक्ष भी रहे थे।

वह विभिन्न आन्दोलनों के अन्तर्गत 09 बार जेल गये। शिक्षा, कृषि कार्य एवं कुश्ती में उनकी विशेष रुचि थी। वह युवाओं, किसानों, अल्पसंख्यकों, श्रमिकों, शोषितों एवं पीड़ित वर्ग के उत्थान के लिए हमेशा संघर्षरत् रहे और जीवन के अंतिम समय तक राजनीति में रहकर समाज की सेवा करते रहे। श्री मुलायम सिंह यादव जी के निधन से देश, प्रदेश एवं समाज की अपूर्णीय क्षति हुयी है। मैं अपनी तथा अपने दल की ओर से उनके प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूँ और ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति की कामना करते हुये उनके दुःखी परिजनों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूँ।

***श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-**

मा0 अध्यक्ष जी, मैं कांग्रेस पार्टी और अपनी ओर से समाजवादी पार्टी के संरक्षक, संस्थापक स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव जी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करती हूँ। बहुत से ऐसे

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

व्यक्तित्व होते हैं जो पद पर बैठकर उनकी पहचान होती है। बहुत से ऐसे व्यक्तित्व होते हैं कि वह जिस पद पर बैठते है वह अलंकृत होता है। नेता जी का ऐसा प्रभावशाली व्यक्तित्व रहा है। सहज, संघर्षशील, मृदुभाषी और समाजवादी राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने वाले बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी श्री मुलायम सिंह यादव जी के निधन से आज हम दुखी मन से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए यहाँ उपस्थित हैं। उनका निधन किसी पार्टी विशेष ही नहीं बल्कि सभी दल के नेताओं के लिए दुःखद है। श्री मुलायम सिंह यादव जी जैसे विशाल हृदय और सर्वमान्य नेता वर्तमान राजनीतिक समय में बहुत कम देखने को मिलते हैं। उनका व्यक्तित्व और संघर्ष से भरा जीवन उनकी समाजवादी विचारधारा और यात्रा को दर्शाता है। सैफई जैसे छोटे से गाँव में जन्म लेकर उत्तर प्रदेश जैसे विशाल प्रदेश के मुख्य मंत्री तथा देश के रक्षा मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कुशलतापूर्वक निर्वहन करने का सफर हम सभी ने देखा है और वह हमारे लिये प्रेरणास्वरूप है। वर्ष 1967 में पहली बार विधान सभा के सदस्य के रूप में निर्वाचित होने के बाद से एक सक्रिय जनप्रतिनिधि के रूप में सदन में उन्होंने समाज के सभी वर्गों के हितों की बात उठायी। उसके लिये संघर्ष भी किया। वह वर्ष 1967 से 2007 तक कुल 10 बार इस सदन के सदस्य निर्वाचित हुये। जो अपने आप में ही एक कीर्तिमान है। वह उत्तर प्रदेश विधान सभा के साथ-साथ विधान परिषद के सदस्य तथा नेता विरोधी दल रहे। श्री राम नरेश यादव मंत्रि-मण्डल में सहकारिता, पशुधन, ग्रामोद्योग मंत्री तथा श्री बनारसी दास मंत्रि-मण्डल में सहकारिता मंत्री भी रहे। उत्तर प्रदेश की राजनीति में वह अनेक बार राजनीति के केंद्र में रहे और प्रदेश की राजनीति उनके इर्द-गिर्द ही घूमती रही। उनकी लोकप्रियता और कार्यकुशलता का ही परिणाम था कि वह प्रदेश के मुख्य मंत्री पद पर तीन बार आसीन हुये। उन्होंने जब-जब प्रदेश के मुख्य मंत्री की बागडोर संभाली। प्रदेश ने उनके कुशल नेतृत्व और प्रशासनिक क्षमता देखी है। उन्होंने सामाजिक और आर्थिक विषमताओं को दूर करने के अनेक महत्वपूर्ण कार्य किये। कुछ महत्वपूर्ण कार्य जिसे हम आज भी याद करते हैं। एक रुपये में रजिस्ट्रेशन और मुफ्त जांच अस्पतालों में नेता जी की देन थी। चुंगी व्यवस्था को समाप्त करने का निर्णय नेताजी ने इसी सदन में लिया था और पहला महिला प्रधान बजट भी उन्होंने इस सदन रखा था। उनकी अनूठी कार्यशैली से सभी दल प्रभावित रहा करते थे और सभी दल उनका सम्मान भी करते थे। श्री मुलायम सिंह यादव जी वर्ष 1996, 1998, 1999, 2004, 2009, 2014 तथा वर्ष 2019 में वह लोक सभा के सदस्य भी निर्वाचित हुये। वह संसद की पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस संबंधी स्थायी समिति तथा ऊर्जा संबंधी स्थायी समिति के सभापति तथा विधान सभा तथा लोक सभा की विभिन्न महत्वपूर्ण संसदीय समितियों के सदस्य और लोक सभा के नेता समाजवादी संसदीय दल भी थे।

मान्यवर, वे श्री एच0डी0 देवगौड़ एवं श्री इन्द्र कुमार गुजराल के केन्द्रीय मंत्रि-मण्डल में रक्षा मंत्री रहे। उन्होंने रक्षा मंत्री के रूप में भी ऐतिहासिक कार्य किए हैं। देश की सुरक्षा व्यवस्था, हमारे वीर सैनिकों और उनके परिवारों के लिए उन्होंने अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए हैं

जिनकी मिसाल आज भी दी जाती है। श्री मुलायम सिंह यादव जी के व्यक्तित्व की एक खूबी थी कि तमाम विषमताओं के बावजूद भी वह हमेशा अपने शुभचिंतकों के सम्पर्क में रहते थे। उनकी राजनीतिक विचारधारा को मानने वाले हों या उनके विरोधी हों, सभी के प्रति उनका सौहार्दभाव हमेशा रहता था। राजनीतिक मतभेद को उन्होंने कभी अपने व्यक्तिगत सम्बन्धों के आड़े नहीं आने दिया। मुझसे और मेरे परिवार के साथ भी उनके बहुत सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध रहे हैं और उन्होंने हमेशा उन सम्बन्धों को निभाया है। एक सर्वमान्य सहज और सरल नेता के रूप में वह सभी के प्रिय थे। उनके निधन से देश-प्रदेश एवं समाज की अपूर्णीय क्षति हुई है। मैं अपने तथा अपने दल की ओर से उनके प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करती हूँ और ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति की कामना करते हुए उनके दुखी परिजनों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूँ और आपसे अनुरोध करती हूँ कि हमारी संवेदनाएं उनके परिवार तक पहुँचाएं।

श्री अध्यक्ष-

कुंवर रघुराज प्रताप सिंह राजा भैय्या।

***श्री रघुराज प्रताप सिंह-**

माननीय अध्यक्ष जी, श्रद्धेय नेता श्री मुलायम सिंह यादव जी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के समय आज पूरा सदन शोकाकुल है। पांच दशक से अधिक वह प्रदेश की सक्रिय राजनीति में रहे है और मैं यह मानता हूँ कि सदन में जितने भी माननीय सदस्य बैठे हुए हैं उनमें से अधिकांश के पास अनेक ऐसे संस्मरण होंगे, बहुत-सी मधु स्मृतियां होंगी और उन स्मृतियों में वे सदस्य इस समय खोये हुए होंगे और अपने प्रिय नेता को याद कर रहे होंगे। वह किस वर्ष में विधायक हुए, इस सम्बन्ध में कई दलीय नेताओं ने कहा है। मैं उसपर नहीं जाना चाहता हूँ। लेकिन दस बार विधान सभा का सदस्य निर्वाचित होना अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है और नेता जी ने अपने कार्यकाल में सत्ता में रहते हुए, मुख्य मंत्री रहते हुए, मैं समझता हूँ कि हर विधायक चाहे वह किसी भी दल का हो, कोई आवश्यक नहीं है कि वह समाजवादी पार्टी का ही विधायक हो। किसी भी दल के माननीय विधायक उनसे मिल सकते थे अपनी समस्या बता सकते थे, उनका समाधान पा सकते थे और वह स्नेह उनको सदैव मिलता रहता था। श्रीमन् नेताजी की जीवनशैली में कुछ बातों ने हमको बहुत प्रभावित किया है और उनमें से एक है कि उन्होंने हिन्दी को सदैव बढ़ावा दिया है। अंग्रेजी बोल-चाल का एक सशक्त माध्यम है, विशेषकर जब हम विदेश जाएं, बाहर जाएं, जहां पर हिन्दी बोलने वाले लोग न हों। लेकिन प्रायः हम लोग अंग्रेजी इसलिए बोलने लगते हैं कि हम आधुनिक दिखें। नेताजी इस बात के विरोधी थे और उन्होंने हिन्दी को बराबर प्रश्रय दिया और प्रेरित भी किया कि हम हिन्दी का अधिक-से-अधिक उपयोग अपने दैनिक जीवन में करें। हिन्दी के साथ-साथ स्वदेशी वस्त्र।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्रीमन् नेताजी के चले जाने के बाद आज उत्तर प्रदेश की राजनीति में बहुत कम राजनेता ऐसे हैं, जो नियमित रूप से धोती-कुर्ता पहनते है। उन्होंने हमेशा स्वदेशी वस्त्र को प्राश्रय दिया। आज हम सभी लोग भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं और वह हमारे बीच लौटकर कभी नहीं आएंगे। लेकिन उनकी स्मृतियां, उनके आदर्श हम सभी लोगों को प्रेरणा देते रहेंगे और नेताजी की बोली-भाषा में सदैव स्पष्टवादिता रही है, साहसी व्यक्तित्व रहा है। विरोधी विचारधारा के होने के बावजूद, अगर मुझे ठीक से स्मरण आ रहा है तो वर्ष 2019 का लोक सभा चुनाव होने वाला था और संभवतः लोक सभा का अंतिम सत्र चल रहा था।

राजनीति में उनकी इतनी गहरी पकड़ और दूरदर्शिता थी कि लोक सभा में उन्होंने कहा था कि आप लोग व्यर्थ परेशान मत होइए, लौट करके तो मोदी ही आयेंगे और इतना ही नहीं उन्होंने आदरणीय मोदी जी को जा करके अग्रिम, पहले से दोबारा प्रधानमंत्री बनने की बधाई भी दी। तो इतनी गहरी राजनीतिक पकड़ और ऐसी सोच, यह हम सब लोगों को प्रेरणा देती है। अपने वरिष्ठ जनों से जिनका इतना लम्बा राजनैतिक अनुभव है, हम लोगों को सीखने के लिए बहुत कुछ मिलता है और मैं तो यह कहूँगा कि उनकी एक तरह से श्रद्धांजलि जो हम लोग व्यक्त कर रहे है, बहुत से वरिष्ठ पत्रकार हैं, बहुत से वरिष्ठ अधिकारी है, उन सब की अपनी स्मृतियाँ हैं। इस विधान सभा के कर्मचारी, यहाँ के अधिकारी, उन सब की लम्बी स्मृतियाँ हैं। माननीय अध्यक्ष जी, आप उनके शोकाकुल परिवार को हमारी ओर से, हमारे दल की ओर से संवेदनाएँ, श्रद्धा-सुमन पहुँचाने की कृपा करें। मैं नेता सदन और सभी दलीय नेताओं की भावनाओं से अपने आपको सम्बद्ध करता हूँ, बहुत-बहुत धन्यवाद।

***श्री उमाशंकर सिंह-**

आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं सबसे पहले मा0 स्वर्गीय श्री मुलायम सिंह जी के प्रति श्रद्धांजलि में जो नेता सदन माननीय मुख्य मंत्री जी, नेता समाजवादी पार्टी या अन्य जितने भी हमारे दलीय नेताओं ने अपने विचार रखे हैं, मैं उनसे अपने आपको सम्बद्ध करता हूँ। अध्यक्ष जी, यह सही बात है, काफी विस्तार से चर्चा हुई। हम लोग भी इस बात से बड़े प्रभावित हैं कि कुछ न कुछ उनमें खास ऐसा रहा होगा, तभी वह 10 बार इस सदन के सदस्य चुनकर आए। उन्होंने 3-3 बार इस प्रदेश के मुख्य मंत्री का भी दायित्व निर्वहन किया। भारत सरकार में रक्षा मंत्री भी रहे। बहुत सी प्रमुख समितियों में भी उन्होंने दायित्व निर्वहन किया। वह 1970 में ही पहली बार विधान सभा के सदस्य चुनकर आ गए थे और उसके बाद लगातार, मुझे लगता है कि लगभग 07 बार वह लोक सभा के सदस्य भी रहे और निश्चित रूप से हम लोगों ने समाजवाद के प्रति काफी पैठ रखने वाले नेता को खो दिया है। माननीय अध्यक्ष जी, आपसे आग्रह है कि हमारी शोक संवेदना उनके दुःखित परिवार को पहुँचाने की कृपा करें।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, धन्यवाद।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

माननीय अध्यक्ष जी, आपसे मेरा आग्रह है कि हमारे यहाँ कुछ वरिष्ठ सदस्य हैं, जिन्होंने चार दशक से ज्यादा नेता जी के साथ काम किया है। अपनी कुछ स्मृतियों और शोक संवेदना में मात्र दो-दो मिनट का समय उन्हें देने की कृपा करें।

श्री अध्यक्ष-

मेरा निवेदन यह है कि माननीय मुलायम सिंह जी का जिस प्रकार का एक विराट व्यक्तित्व था तो पक्ष और प्रतिपक्ष में बहुत सारे ऐसे सदस्य हैं जो अपनी संवेदनाएँ व्यक्त करना चाहते हैं। लेकिन एक परम्परा नेताओं के बोलने की रही है। मा0 मुलायम सिंह जी के बारे में मैंने कहा कि हर व्यक्ति के मन के अन्दर कुछ न कुछ उनकी स्मृतियाँ होंगी, कुछ न कुछ भाव होंगे, जो वह व्यक्त करना चाहते हैं। जैसे माननीय माता प्रसाद पाण्डेय जी हैं, माननीय अवधेश प्रसाद जी हैं, जिन्होंने उनके साथ काम किया है। मेरा निवेदन है कि यह 2-3 लोग 2-2 मिनट में अपनी बात कह लें। बहुत सारे हाथ उठ रहे हैं, लेकिन यह सभी के लिए सम्भव नहीं होगा। जिन 2-3 लोगों के लिए आपने कहा है, वह अपनी बात कह लें।

***श्री अवधेश प्रसाद-**

माननीय अध्यक्ष जी आज श्रद्धेय नेता जी के निधन पर जो सम्मान, जो भावनाएँ आदरणीय नेता सदन, आदरणीय नेता समाजवादी पार्टी और आदरणीय अन्य नेताओं ने व्यक्त किया है, उससे मैं अपने को सम्बद्ध करता हूँ और आज बहुत दुःखित मन से मान्यवर, नेता जी का आशीर्वाद हमेशा मेरे साथ रहा है। वह हम पर विश्वास करते थे। पहली बार सन् 1977 में जब जनता पार्टी की सरकार इस देश में बनी है। जिसमें भारतीय जनसंघ पार्टी और कांग्रेस को छोड़कर सारे दलों को मिलाकर के जनता पार्टी तो जेल में ही बन गई थी। मा0 नेता जी और मा0 अटल बिहारी बाजपेयी जी, मा0 आडवाणी जी, मा0 मधुलिमए और मा0 जॉर्ज फर्नाण्डीज, हम जैसे कार्यकर्ता जेलों में बन्द थे। सन् 1977 में जब मा0 राम नरेश जी के नेतृत्व में सरकार बनी तब मा0 नेता जी सहकारिता मंत्री बने और मुझे भी उस सरकार में मा0 राज्य मंत्री बनने का मौका मिला। आदरणीय बाबू बनारसी दास जी जब मुख्य मंत्री बने तो उसमें नेता जी भी मंत्री थे जिनके पास पशुपालन विभाग, मत्स्य विभाग था और हमारे पास समाज कल्याण सूचना विभाग सामान्य प्रशासन, पशुपालन और मत्स्य का विभाग था। नेता जी हमारे कैबिनेट मंत्री थे और हम राज्य मंत्री थे, लेकिन वह हमारे ऊपर इतना विश्वास करते थे कि एक बार हमने डायरेक्टर का ट्रांसफर कर दिया तब कई लोगों ने और विधायकों ने जाकर

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

कहा कि राज्य मंत्री ने ऐसा कर दिया है आप इसको बदल दीजिए। उन्होंने कहा कि राज्य मंत्री पढ़े-लिखें हैं हम उन पर विश्वास करते हैं इसलिए आप उन्हीं से जाकर बात करिए। मान्यवर, यह उनका मेरे ऊपर विश्वास था।

मान्यवर, वह लोक नायक, जय प्रकाश नारायण, लोहिया जी और आदरणीय चौधरी चरण सिंह के विचारों से ओत-प्रोत थे और इस देश को महान बनाना चाहते थे और उनका जीवन हमेशा संघर्षमय था। मान्यवर तमाम ऐसे गांव है जो गरीबों के हैं, दलितों के है और पिछड़ों के है उनके उत्थान के लिए बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के नाम पर पहली बार यह जो विधान सभा की सड़क है, रेलवे स्टेशन तक उनके नाम पर करने का काम किया है और तमाम ऐसे गांव है जो कि गरीब बस्तियों के हैं वहां बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर गांव करके उनको विकसित करके तमाम सुविधाएं देने का काम किया है। समाज में पहली बार उत्तर प्रदेश में गरीब लोगों के लिए पेंशन योजना चलाने का काम मा0 नेता जी ने किया था। जब हम समाज कल्याण के मंत्री थे तो उन्हीं के निर्देश पर मैने 55 लाख महिलाओं और गरीबों को पांच-पांच सौ रूपए की पेंशन उन्हीं के निर्देश पर देने का काम किया था। इस बात के लिए मैं अपने आपको सौभाग्यशाली मानता हूँ। मान्यवर, तमाम ऐसे कामों को करने के लिए मा0 चौधरी साहब ने उनको आशीर्वाद दिया था। जो इस देश के राष्ट्रपति रहे हैं आदरणीय शर्मा जी ने आशीर्वाद दिया था मुलायम सिंह जी को कि मेरे पास आज कुछ नहीं है केवल आशीर्वाद है और आज हम आशीर्वाद दे रहे हैं कि तुम जिस ऊंचाई पर जाना चाहोगे उस ऊंचाई पर जाओगे और वह ऊंचाई पर गए। उनके निधन पर जिस तरह जन सैलाब लाखों लोगों का उनकी अर्थी के समय उठने लगा उस समय इतनी भीड़ थी कि अगर सरसों फेंक दी जाती जमीन पर तो वह न गिरती यह उनकी लोकप्रियता थी। जब वह बीमार पड़े थे तो न जाने कितने लाखों लोगों ने उनके लिए मन्नतें मांगीं, प्रार्थनाएं की, दुआएं की, और आज वह हमारे बीच नहीं है।

उनके निधन से केवल समाजवादी पार्टी का ही नुकसान नहीं हुआ है, बल्कि देश का बहुत बड़ा नुकसान हुआ है। उन्होंने समाजवाद का मशाल जलाया था। मुझे विश्वास है कि उनके न रहने पर हम जैसे कार्यकर्ता और मा0 अखिलेश जी उनके मशाल को जलाएंगे और उनके रास्ते पर चलकर के देश का सम्मान बढ़ाएंगे। डॉ0 राम मनोहर लोहिया, जय प्रकाश नारायण और चौधरी चरण सिंह के सपनों को हम जैसे लोग मिलकरके पूरा करने का काम करेंगे। इन्हीं शब्दों के साथ श्रीमन् श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए आपसे प्रार्थना करते हैं कि ईश्वर उनके शोक सन्तप्त परिवार को इस महान दुःख को सहने की शक्ति दे। मान्यवर, वैसे उनके परिवार में तो हम जैसे लोग भी है। इसलिए हमारी आपसे यह प्रार्थना है कि मेरी जो भावनाएँ हैं, आप उन्हें शोक सन्तप्त परिवार तक पहुँचाने की कृपा करें। आपका बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

श्रद्धेय मुलायम सिंह जी के लिए जितना भी कहा जाए कम है, मात्र दो-चार-पाँच मिनट के अन्तर्गत कोई भी व्यक्ति उनके इतने विराट व्यक्तित्व को बाँध नहीं सकता, लेकिन मेरा निवेदन है कि मैं सबको अवसर दूँगा। अब श्री माता प्रसाद पाण्डेय जी।

***श्री माता प्रसाद पाण्डेय-**

मा0 अध्यक्ष जी, आज हम सब लोग यहाँ एक ऐसे समय पर अपनी संवेदना व्यक्त कर रहे हैं, इस प्रदेश के ऐसे महान व्यक्ति पर बात कर रहे हैं जिनके मन में समाज के गरीब, वंचित व्यक्तियों के प्रति बड़ी ऊँची भावना थी और उन्हें ऊँचा उठाने का संकल्प लेकर वे समाज और राजनीति में आए थे। मा0 मुलायम सिंह यादव जी के साथ मुझे बहुत दिनों तक रहने का सौभाग्य मिला। विद्यार्थी जीवन से ही समाजवादी विचारधारा से प्रेरित होने के नाते मैं उनके साथ रहा। राजनीति में बहुत सी ऐसी परिस्थितियाँ हैं, जिनमें उन्होंने एक आदर्श कायम किया। हम लोगों से जब उनकी बात होती थी तो वे कहते थे कि जो हमारे विरोधी लोग हैं, ये भी हमारे मित्र हैं, हमारे शत्रु नहीं है। हमें अपने विरोधियों के प्रति भी मित्रवत् व्यवहार रखना चाहिए। यह सीख वे हम लोगों को हमेशा देते रहे। मैं उनके साथ स्वास्थ्य मंत्री भी रहा, श्रम मंत्री भी रहा और मैं उनका स्पीकर भी रहा हूँ। उनके मन में पीड़ित व्यक्तियों के प्रति एक असहनीय पीड़ा रहती थी। जब कभी वे किसी पीड़ित व्यक्ति को देखते थे तो उसके प्रति उनके मन में सहानुभूति जगती थी। मान्यवर, जब वे चुंगी समाप्त कर रहे थे तो मैने उनसे पूछा कि इससे तो नगर पंचायतों और महापौरों की आय कम हो जाएगी तो कैसे काम चलेगा ? उन्होंने कहा कि ये चुंगी वाले जब कोई गरीब गट्ठर लेकर जाता है तो ये उसको डण्डा मारकर उससे अधिक से अधिक वसूली करने की कोशिश करते है। इस व्यवस्था को खत्म करके हम उन तमाम ऐसे लोगों को लाभ पहुँचाना चाहते हैं जिनकी हैसियत ऐसी नहीं है कि वे इनका मुकाबला कर सकें।

मैं राजनैतिक रूप से सम्मेलनों में बेरोजगारी भत्ते का प्रस्ताव करता रहता था तो एक बार उन्होंने हमको बुलाकर कहा कि बेरोजगारी भत्ता तो तब दिया जा सकता है जब अपनी सरकार आएगी, आप हर राजनैतिक सम्मेलन में इसको क्यों उठाया करते हो ? लेकिन बाद में जब वे मुख्य मंत्री बने और मैं श्रम मंत्री बना तो उन्होंने मुझे बुलाया और कहा कि अब आप अपनी उस अपेक्षा को पूरा करो। उस समय उन्होंने करीब-करीब भारी संख्या में लोगों को बेरोजगारी भत्ता देने का प्रस्ताव किया। मैंने उनसे कहा कि इसमें 500 रुपया दे दीजिए तो उन्होंने कहा कि 500 रुपये से क्या होगा, 1000 रुपये से कम तो नहीं दिया जाना चाहिए। इसलिए उन्होंने तुरन्त उसको 1000 रुपया कर दिया और बड़ी संख्या में लगभग 12-13 लाख ऐसे बेरोजगारों को जिन्होंने अपना नाम बेरोजगारी दफ्तर में दर्ज कराया था, उनको बेरोजगारी

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

भत्ता देने का काम किया। उनके मन में उन असहाय लोगों के प्रति पीड़ा थी जो शिक्षित होकर भी बेरोजगार घूम रहे थे। ऐसे में उन्होंने उनको बेरोजगारी भत्ता देकर के लाभ पहुँचाने का काम किया। जब समाजवाद का नाम पूरे हिन्दुस्तान से धीरे-धीरे समाप्त हो रहा था, ऐसे समय में उन्होंने समाजवादी पार्टी का गठन करके, समाजवादी सरकार बनाकर समाजवादी आदर्शों पर चलने की प्रेरणा समाज में पैदा की। मैं आज ऐसे महान जन सेवक को अपने बीच से उठ जाने पर उन्हें अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूँ और आपसे निवेदन करता हूँ कि आप मेरी यह शोक संवदेना उनके शोक संतप्त परिवार तक पहुँचाने का कष्ट करें। धन्यवाद।

***श्री महबूब अली-**

मा0 अध्यक्ष जी, आज हम इस सदन में आदरणीय नेता जी के लिए खड़े हुए हैं। इस उत्तर प्रदेश में उनके जैसा कोई दूसरा राजनैतिक व्यक्ति नहीं रहा। उन्होंने प्रदेश और देश की राजनीति में, पूरे हिन्दुस्तान में प्रदेश का नाम रोशन किया। वह 10 बार इस विधान सभा के सदस्य, 03 बार प्रदेश के मुख्य मंत्री नेता सदन, नेता प्रतिपक्ष नेता विधान परिषद्, नेता प्रतिपक्ष विधान परिषद् तथा सात बार पार्लियामेंट में रहे। उन्होंने देश के रक्षा मंत्री की कुर्सी पर बैठने के बाद महत्वपूर्ण निर्णय लिये और प्रदेश को संचालित करने के लिए, चलाने के लिए उन्होंने कई निर्णय लिये। इतिहास गवाह है कि उनके जैसा कोई दूसरा व्यक्तित्व नहीं हुआ, यह कह देने में भी हमें कोई संकोच नहीं है। राजनीति में कहीं न कहीं जो दल रहे, उस दल के साथ, उनके स्तर से, उनके साथ खड़ा होने का काम आदरणीय नेताजी ने किया है। मैं इतना ही कहूँगा क्योंकि यह लम्बे वक्त की बात नहीं है। आदरणीय नेता जी के सम्बन्ध में बहुत से ऐसे विचार हैं जो नेता सदन और सभी दलों के नेताओं की तरफ से आये हैं लेकिन हमें वह वक्त भी याद है जब नेताजी रक्षा मंत्री थे उस वक्त उन्होंने कहा था कि हिन्दुस्तान को तरक्की की ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए जरूरी नहीं है कि हम हिन्दुस्तान के लोग ही इकट्ठा हों बल्कि हमारा एक महासंघ बनना चाहिए जिसमें हमारा देश हो, बांग्लादेश और पाकिस्तान हो और यदि यह महासंघ बन गया तो हिन्दुस्तान दुनिया पर राज करेगा। इसलिए आज मेरा माननीय अध्यक्ष जी आपसे अनुरोध है कि अभी तक आपने सदन के जितने माननीय नेताओं को अपने-अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिए बुलाया या निधन के निर्देश जब भी आये तो आपने दलीय नेताओं को बुलवाने का काम किया है।

आपने अपनी पीठ से अपने अधिकारों का इस्तेमाल करके यह निर्णय लिया कि समाजवादी पार्टी के नेता और ऐसे नेता जो मा0 नेता जी पर अपने कुछ विचार रखना चाहते हैं, उन्हें आपने मौका दिया, इसके लिए हम आपके शुक्रगुजार हैं। हमारा इतना कहना है कि आज तक उत्तर प्रदेश में उनकी तरह का और कोई दूसरा व्यक्तित्व नहीं रहा जिन्होंने बड़े पैमाने पर गरीब, किसान, दलित, पिछड़ों, मुस्लिमों और सर्वसमाज के लिए काम किया हो,

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

आदरणीय नेता जी ने इसके लिए काम किया है। मेरा अनुरोध है कि अगर आप पीठ से निर्णय ले लें कि उनकी जीवनी हाई स्कूल के समाज शास्त्र विषय में दर्ज कर ली जाये तो मेरे ख्याल से इस सदन को कहीं न कहीं एहसास होगा कि आने वाली पीढ़ियाँ, हमारी आने वाली नस्लें उसे पढ़ेंगी तो वे उस रास्ते पर चलकर, समाजवादी चिंतन पर समाजवादी आंदोलन को आगे बढ़ाने का काम करेंगी। हम तो एक गाँव से उठकर उनके जीवन से प्रेरणा लेकर उनके बताये रास्ते पर उनके पीछे चलकर, इस वक्त तक लगातार 30 साल से हम सदन में आ रहे हैं लेकिन कहीं न कहीं यह एहसास करते हैं कि उनकी इस कार्यशैली से बहुत से लोग प्रभावित हुये थे। जैसा कि अभी बहुत से दूसरे नेताओं ने कहा कि उनके यहाँ पक्ष और विपक्ष नहीं थे। उनके पास जब भी कोई जाता था तो हमने देखा है कि हर हालात में वे उसकी समस्या का निदान करने की कोशिश करते थे इसलिए मेरा कहना है कि शायद भारतीय राजनीति में उनके जैसा दूसरा व्यक्तित्व आज नहीं है। इसलिए मेरा आपसे अनुरोध है कि मेरी बात को गंभीरता से लेते हुए, उस पर चिंतन और मनन करते हुए हम लोग नेता जी को हमेशा याद करें और उनके बताये रास्ते पर चलें क्योंकि वह सिर्फ कोई ऐसा व्यक्तित्व नहीं थे जिन्होंने समाजवादी आंदोलन को ही आगे बढ़ाने का काम किया। सन् 1967 में वह पहली बार विधान सभा में जीतकर आये थे और तब से 82 साल की उम्र तक उन्होंने लगातार समाज सेवा करने का काम किया है। उत्तर प्रदेश की जमीं पर उन जैसा दूसरा व्यक्तित्व अभी तक हमारे सामने नहीं आया। इसलिए मेरे इस अनुरोध को स्वीकारते हुए आपसे मेरी इतनी ही गुजारिश है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे और हमारे श्रद्धा सुमन उनके चरणों में अर्पित है। मेरा अनुरोध है कि आप मेरी और समाजवादी पार्टी के सभी मा0 सदस्यों की संवेदनायें उनके परिवार तक पहुँचाने का काम करें। धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्य मंत्री श्री मुलायम सिंह यादव का 10 अक्टूबर, 2022 को निधन हो गया। वे लगभग 83 वर्ष के थे। श्री मुलायम सिंह यादव का जन्म 22 नवम्बर, 1939 को ग्राम सैफई, जिला इटावा में हुआ था। उन्होंने एम0ए0, बी0टी0 की शिक्षा ग्रहण की थी। श्री मुलायम सिंह यादव वर्ष 1967 में संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी, 1974 में भारतीय क्रांति दल, 1977 में जनता पार्टी, 1985 लोकदल, 1989 में जनता दल, 1991 में जनता पार्टी से निर्वाचन क्षेत्र जसवंतनगर, जिला इटावा से तथा वर्ष 1993 में शिकोहाबाद जिला फिरोजाबाद, 1996 में सहसवान, वर्ष 2004 में गुन्नौर, जिला बदायूं तथा वर्ष 2007 में भरथना, जिला इटावा से समाजवादी पार्टी के टिकट पर कुल दस बार विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। वे वर्ष 1982 में विधान परिषद् के सदस्य तथा वर्ष 1996, 1998, 1999, 2004, 2009, 2014 तथा 2019 में लोक सभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे। श्री मुलायम सिंह यादव जी दिसम्बर, 1989 से जून, 1991 तक प्रथम बार, दिसम्बर, 1993 से जून, 1995 तक दूसरी बार तथा अगस्त, 2003 से मई, 2007 तक तीसरी बार उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री रहे। श्री मुलायम सिंह यादव,

श्री राम नरेश यादव और श्री बनारसी दास मंत्रि-मण्डल के सदस्य रहे थे। वे भारत सरकार में श्री एच0डी0 देवगौड़ा तथा श्री इन्द्र कुमार गुजराल मंत्रि-मण्डल में रक्षा मंत्री, संसद की पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस सम्बन्धी स्थायी समिति एवं ऊर्जा सम्बन्धी स्थायी समिति के सभापति, लोक सभा की विभिन्न समितियों के सदस्य तथा लोक सभा में समाजवादी पार्टी संसदीय दल के नेता रहे थे। वे उत्तर प्रदेश विधान सभा की महत्वपूर्ण समितियों के सदस्य तथा विधान सभा एवं विधान परिषद् में नेता विरोधी दल, उत्तर प्रदेश लोकदल, उत्तर प्रदेश लोकदल (ब) एवं जनता दल, उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष रहे थे।

वे समाजवादी पार्टी के संस्थापक तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रहे। विभिन्न आन्दोलनों के अन्तर्गत वे इटावा, वाराणसी व फतेहगढ़ कारागारों में 9 बार बन्दी रहे। वे अनेक शिक्षण संस्थाओं से प्रबन्धक एवं अध्यक्ष के रूप में सम्बद्ध रहे थे। शिक्षा, कृषि कार्य एवं कुश्ती में उनकी विशेष रुचि थी। श्री मुलायम सिंह यादव जी का, जैसे मैंने कहा कि एक विराट व्यक्तित्व था, उनको कुछ शब्दों के अंतर्गत बाँधा नहीं जा सकता है। इस सम्मानित सदन का प्रत्येक सदस्य उनके प्रति अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि और अपने विचार प्रकट करना चाहता है, जिसके लिए आज सुबह से ही मेरे पास कई मा0 सदस्य आए लेकिन मैंने कहा कि समय की सीमा को तो बढ़ाया जा सकता है लेकिन उनके व्यक्तित्व को फिर भी उसमें बाँधा नहीं जा सकता है, ऐसा श्री मुलायम सिंह जी का व्यक्तित्व था।

श्री मुलायम सिंह यादव जी के निधन से प्रदेश ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है। श्री मुलायम सिंह यादव जी के अलावा अन्य तीन माननीय पूर्व सदस्य, जो हमारे बीच में नहीं रहे, मैं उनके प्रति भी संवेदनाएँ व्यक्त करता हूँ, फिर उसके बाद हम सब लोग दो मिनट मौन के लिए खड़े होंगे।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री चन्द्र पाल का 05 फरवरी, 2022 को निधन हो गया। वे लगभग 85 वर्ष के थे। श्री चन्द्रपाल का जन्म 20 जनवरी, 1937 को हुआ था।

श्री महबूब अली-

माननीय अध्यक्ष जी, मेरा अनुरोध है कि माननीय नेता जी के लिए सदन में पहले मौन धारण करा लें, तत्पश्चात् दूसरे माननीय सदस्यों के लिए मौन धारण करायें।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, हम लोग दो मिनट खड़े होकर नेता जी के प्रति मौन धारण करेंगे।

(सभी सदस्य अपने-अपने स्थान पर दो मिनट मौन खड़े हुए)

श्री अध्यक्ष-

ऊँ शान्ति।

[12:06] उत्तर प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्यों के निधन पर शोकोद्गार

श्री अध्यक्ष-

उत्तर प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री चन्द्र पाल का 05 फरवरी, 2022 को निधन हो गया, वह लगभग 85 वर्ष के थे। श्री चन्द्र पाल का जन्म 20 जनवरी, 1937 को हुआ था। उन्होंने हाई स्कूल तक की शिक्षा ग्रहण की थी। श्री चन्द्र पाल वर्ष 1977 में निर्वाचन क्षेत्र हसनगंज (अ0जा0), जिला उन्नाव से जनता पार्टी के टिकट पर विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। श्री चन्द्र पाल एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं सामाजिक कार्यकर्ता थे तथा अपने क्षेत्र के विकास के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहते थे। वे जिला रायबरेली में ग्राम सेवक के रूप में कार्यरत रहे। कृषि एवं पुस्तकों के अध्ययन में उनकी विशेष रूचि थी। श्री चन्द्र पाल के निधन से प्रदेश ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य डा0 गंगा बख्श सिंह का 17 नवम्बर, 2022 को निधन हो गया। वे लगभग 88 वर्ष के थे। डा0 गंगा बक्श सिंह का जन्म 01 जनवरी, 1935 को ग्राम तौरा, जिला उन्नाव में हुआ था। उन्होंने स्नातक, बी0एम0एस0 जी0एच0एम0एस0 की शिक्षा ग्रहण की थी। डा0 गंगा बख्श सिंह वर्ष, 1991 एवं वर्ष 1996 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस तथा वर्ष 2002 में भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर निर्वाचन क्षेत्र हड़हा, जिला उन्नाव से विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। डा0 गंगा बख्श सिंह, श्री कल्याण सिंह, श्री राम प्रकाश एवं श्री राजनाथ सिंह मंत्रि-मण्डल में राज्य मंत्री तथा विधान सभा की विभिन्न समितियों के सदस्य रहे। वे विभिन्न आन्दोलनों के अन्तर्गत आदर्श कारागार, लखनऊ और जिला कारागार, उन्नाव में बन्दी रहे। ब्लाक समिति, बिछिया के वे ब्लाक प्रमुख भी रहे। वे राष्ट्रीय होम्यो कालेज कानपुर के प्राचार्य, केन्द्रीय होम्यो परिषद, दिल्ली के सदस्य, होम्योपैथिक फैकल्टी, आगरा विश्वविद्यालय के डीन तथा विभिन्न शिक्षण संस्थाओं से प्रबन्धक के रूप में सम्बद्ध रहे। समाज सेवा एवं चिकित्सा में उनकी विशेष रूचि थी। डा0 गंगा बख्श सिंह के निधन से प्रदेश ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री बदन सिंह का 01 दिसम्बर, 2022 को निधन हो गया। लगभग 97 वर्ष के थे। श्री बदन सिंह का जन्म 15 जनवरी, 1926 को ग्राम रिठौरा, जिला आगरा में हुआ था। उन्होंने स्नातक, एल0टी0 की शिक्षा ग्रहण की थी। श्री बदन सिंह वर्ष, 1977 में जनता पार्टी, 1980 में जनता दल (एस0) चरण सिंह, 1985 में लोकदल, 1989 में जनता दल तथा 1993 में भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर निर्वाचन क्षेत्र फतेहपुर सीकरी, जिला आगरा से विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। श्री बदन सिंह विधान सभा की विभिन्न समितियों के सदस्य रहे तथा विभिन्न आन्दोलनों के अन्तर्गत जिला कारागार आगरा, एटा तथा लखनऊ में बन्दी रहे। वे भारतीय लोकदल, जिला आगरा के महामंत्री व अध्यक्ष रहे तथा माध्यमिक शिक्षा परिषद् इलाहाबाद के सदस्य भी रहे। समाज सेवा में उनकी विशेष रुचि थी। श्री बदन सिंह के निधन से प्रदेश ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है।

यहां पर जितने भी सम्मानित सदस्यों ने शोकाकुल परिवारों के लिए अपनी संवेदनायें व्यक्त की हैं, मैं उनकी संवेदनायें संबंधित शोकाकुल परिवार को भिजवा दूंगा।

अब हम दिवंगत आत्माओं के लिए 02 मिनट का मौन रखेंगे। ऊँ शान्ति।

(सभी सदस्य अपने अपने स्थान पर दो मिनट मौन खड़े हुए)

[12:11] नियम-301 के अन्तर्गत सूचनाएं

आज दिनांक 05 दिसम्बर को नियम-301 के अन्तर्गत 26 सूचनायें प्राप्त हुई। मैं आज सारी सूचनाओं को ग्राहय करता हूँ।

(सदन की सहमति से स्वीकृत सभी सूचनायें पढ़ी हुई मानी गयी)

पहली सूचना श्रीमती ऊषा मौर्या की जनपद फतेहपुर की विधान सभा क्षेत्र हुसैनगंज के अंतर्गत चितीसापुर एवं चौहट्टा में पेयजल की व्यवस्था कराये जाने के सम्बन्ध में हैं, दूसरी सूचना श्री मनोज कुमार पाण्डेय की जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र ऊंचाहार में स्थित ऋषि गोकर्ण तपोस्थली को पर्यटक स्थल घोषित किये जाने के सम्बन्ध में है, तीसरी सूचना श्री हंसु राम की जनपद बलिया की विधान सभा क्षेत्र बेल्थरा रोड के अन्तर्गत कतिपय सड़कों की मरम्मत/पुनर्निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, चौथी सूचना श्री अनिल कुमार त्रिपाठी की प्रदेश में मझवार की पर्यायवाची जेनेरिक नाम केवट, मल्लाह तथा शिल्पकार में प्रजापति कुम्हार सहित कतिपय अन्य जातियों को मझवार, तरमाली, पासी, शिल्पकार का अनुसूचित जाति का प्रमाण-पत्र निर्गत कराये जाने के सम्बन्ध में है, पांचवीं सूचना मौहम्मद फहीम इरफान की जनपद मुरादाबाद के नगर बिलारी के आइडिया ग्राउण्ड को खेल स्टेडियम बनाये जाने के सम्बन्ध में है, छठी सूचना श्री लालजी वर्मा की जनपद अम्बेडकरनगर स्थित अकबरपुर से कादीपुर मार्ग के चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में है, सातवीं सूचना श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना' की जनपद प्रतापगढ़ के तहसील लालगंज के अन्तर्गत नवसृजित विकासखण्ड मंगापुर उदयपुर को क्रियाशील कराये जाने के सम्बन्ध में है, आठवीं सूचना श्री प्रदीप कुमार चौधरी की जनपद बुलंदशहर के ग्राम मागलौर से रहमापुर स्यावली सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, नवीं सूचना श्री वीर विक्रम सिंह 'प्रिंस' की जनपद शाहजहांपुर की विधान सभा क्षेत्र कटरा के औषधि निरीक्षक द्वारा किये जा रहे भ्रष्टाचार के सम्बन्ध में है, दसवीं सूचना श्री मनोज कुमार पारस की जनपद बिजनौर की विधान सभा क्षेत्र नगीना के अन्तर्गत किरतपुर एवं नगीना में रोडवेज बस स्टैण्ड बनवाये जाने के सम्बन्ध में है, ग्यारहवीं सूचना श्री चन्द्रपाल सिंह की, जनपद बुलंन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र डिबाई के अंतर्गत अनूपशहर-अलीगढ़ लिंक रोड से डिबाई-कर्णवास लिंक रोड तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, बारहवीं सूचना, श्री जवाहर लाल राजपूत की, जनपद झांसी की विधान सभा क्षेत्र गरौठा के अन्तर्गत बेतवा नदी पर खिरिया घाट पर रपटा के स्थान पर पुल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, तेरहवीं सूचना, श्री राम अवतार सिंह की जनपद बिजनौर की विधान सभा क्षेत्र नूरपुर के नगर पंचायत सहसपुर में जर्जर विद्युत लाइन को हटाकर केबिल के माध्यम से विद्युत आपूर्ति

कराये जाने के सम्बन्ध में है, चौदहवीं सूचना श्री अजय की जनपद गोण्डा की विधान सभा क्षेत्र करनैलगंज में राजकीय विश्वविद्यालय की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में है, पन्द्रहवीं सूचना श्री राजेश्वर सिंह की जनपद लखनऊ की विधान सभा क्षेत्र सरोजनी नगर के ग्राम सभा हरौनी में कन्या महाविद्यालय खोले जाने के सम्बन्ध में है, सौलहवीं सूचना श्री पल्टूराम की जनपद बलरामपुर की विधान सभा क्षेत्र बलरामपुर सदर में बालपुर-गोण्डा रेल सेक्शन पर निर्माणाधीन उपरिगामी सेतु से सम्बन्धित शासनादेश में संशोधन कराये जाने के सम्बन्ध में है, सत्रहवीं सूचना श्री उमाशंकर सिंह की जनपद बलिया की विधान सभा क्षेत्र रसड़ा के प्यारेलाल चौराहे के रेलवे क्रासिंग पर उपरिगामी सेतु का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, अट्ठारहवीं सूचना श्री अनिल कुमार सिंह की जनपद उन्नाव की विधान सभा क्षेत्र पुरवा के अन्तर्गत हिलौली करदहा मुख्य मार्ग से बाबा कन्जेश्वर धाम तक मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, उन्नीसवीं सूचना डा0 नीरज बोरा की जनपद लखनऊ में शासन द्वारा स्वीकृत आई0टी0आई0 निर्माण हेतु आवास एवं शहरी नियोजन विभाग में लम्बित भूमि सम्बन्धी प्रस्ताव के संबंध में है, बीसवीं सूचना श्रीमती केतकी सिंह की जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बांसडीह में राजकीय महिला महाविद्यालय का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, इक्कीसवीं सूचना श्री रामचन्द्र यादव की जनपद फैजाबाद के विधान सभा क्षेत्र रुदौली के अन्तर्गत रुदौली-अमानीगंज मार्ग का पुनर्निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, बाइसवीं सूचना श्री जय प्रकाश अंचल की जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बैरिया के अंतर्गत गंगा और घाघरा नदी के किनारे बसे कतिपय गाँवों को बाढ़ से बचाने के लिये कटान रोधी कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में है, तेइसवीं सूचना श्री पंकज की जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र मुंगराबादशाहपुर में जर्जर विद्युत तारों को बदले जाने तथा ट्रांसफार्मर की क्षमतावृद्धि किये जाने के सम्बन्ध में है, चौबीसवीं सूचना श्री रमेश चन्द्र मिश्र की जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र बदलापुर के नगर पंचायत के अन्तर्गत भीमपुर रजवाहा पर पुलिया का निर्माण कराये जाने के संबंध में है, पच्चीसवीं सूचना श्री बेदी की जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र जखनियां में कतिपय मार्गों एवं सेतुओं का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, तथा छब्बीसवीं सूचना श्री नवाब जान की कार्यालय रजिस्ट्रार/विभागाध्यक्ष, औद्योगिक न्यायाधिकरण एवं श्रम न्यायालय, उ0प्र0 प्रयागराज के आदेश सं0 392/औ0न्या0स्था0/2022, दिनांक 30-06-2022 का क्रियान्वयन कराये जाने के सम्बन्ध में है।

जनपद फतेहपुर की विधान सभा क्षेत्र हुसैनगंज के अन्तर्गत चितीसापुर एवं चौहट्टा में पेयजल की व्यवस्था कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्रीमती ऊषा मौर्या-

[महोदय, सादर अनुरोध के साथ अवगत कराना है कि मेरी विधान सभा क्षेत्र हुसैनगंज अन्तर्गत ग्राम चौहट्टा एवं चितीसापुर, रारा, कोढइया, राधानगर, के इर्द-गिर्द में

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

पेयजल की विकराल समस्या है उपरोक्त गावों में फ्लोराइड युक्त पानी होने से उपरोक्त गांवों में लोगों की हड्डियां टेढ़ी एवं काफी गंभीर बीमारी हो रही हैं। तथा बच्चे विकलांग हो रहे हैं। आम लोग लगभग 15 वर्षों से पीड़ित हैं।

अतः महोदय से अनुरोध है कि इस अविलम्बनीय, लोक महत्व के विषय पर सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कर उक्त स्थानों पर स्वास्थ्य विभाग की टीम से जांच कराये जाने तथा पानी की टंकी की स्थापना कराये जाने की ओर आकृष्ट करना चाहती हूँ।]

जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र ऊंचाहार में स्थित ऋषि गोकर्ण तपोस्थली को पर्यटक स्थल घोषित किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

[महोदय, सादर अवगत कराना है कि हमारी विधान सभा क्षेत्र ऊंचाहार, जनपद रायबरेली में देश के महान ऋषि महर्षि गोकर्ण जी की तपोस्थली गोकना घाट जो मां गंगा के तट पर स्थित है, जिससे खासकर जनपद कौशाम्बी, प्रतापगढ, फतेहपुर, रायबरेली जनपद के लोगों के द्वारा लाखों की संख्या में कार्तिक पूर्णिमा या अन्य स्नान के अवसरों पर श्रद्धालु आते हैं, उक्त स्थल पर कई पौराणिक तथ्य व स्मारक भी स्थित हैं, श्रीमद्भागवत के प्रारम्भ में ही (प्रथम पृष्ठ) गोकर्ण ऋषि एवं उनके तपोस्थली का उल्लेख भी है, उक्त स्थल को पूर्व वर्ष 2020 में भी पर्यटक स्थल बनाये जाने की स्वीकृति हुई थी, परन्तु अभी तक न ही पर्यटक स्थल घोषित किया गया और न ही उसकी धनराशि अवमुक्त की गयी।

अतः लोक महत्व के इस अविलम्बनीय प्रश्न हेतु शासन का ध्यान आकर्षित करते हुये नियम-301 में वक्तव्य स्वीकार करने की कृपा करें।]

जनपद बलिया की विधान सभा क्षेत्र बेल्थरा रोड के अन्तर्गत कतिपय सड़कों की मरम्मत/ पुनर्निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री हंसु राम-

[मोहदय, अविलम्बनीय, अत्यन्त लोकहित के विषय पर मा0 मुख्य मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ कि मेरे विधान सभा बेल्थरा रोड के अन्तर्गत निम्नलिखित सड़कों का विशेष मरम्मत व नवनिर्माण न होने से क्षेत्रीय जनता को आवागम में अत्यन्त कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

1-आर0एन0टी0 से तिरनई होते हुए रामपुर चन्देला तक विशेष मरम्मत कार्य लम्बाई लगभग 3 किमी0।

2-ढेकवारी किशोरगंज मार्ग से बिहराहरपुर घूरा यादव के घर होते हुए सिकन्दरपुर राजवाहा तक विशेष मरम्मत कार्य लम्बाई लगभग 1.5 किमी0।

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

3-नगला बरौली पी0डब्ल्यू0डी0 मार्ग से बरवांरत्तीपट्टी नवादा होते हुए रतनपुरा भीमपुरा मार्ग तक विशेष मरम्मत कार्य लम्बाई लगभग 5 किमी0।

4-बिहराहरपुर किशोरगंज पी0डब्ल्यू0डी0 मार्ग से चन्दाडीह तक विशेष मरम्मत कार्य लम्बाई लगभग 4 किमी0।

5-सीयर सोनाडीह मार्ग पर पड़री से कित्तूपुर होते हुए अखोप-बेल्थरा-मधुबन मार्ग तक विशेष मरम्मत कार्य लम्बाई लगभग 5 किमी0।

6-तुर्तीपार टंगुनिया हाहा नाला बन्धा पर से विशुनपुरा चट्टी चन्दायल कला होते हुए कुण्डैल चैनपुर मार्ग तक विशेष मरम्मत कार्य लम्बाई लगभग 3 किमी0।

7-सीयर सोनाडीह मार्ग से स्वामी रामनरायनचार्या महिला महाविद्यालय चैनपुर गुलौरा मार्ग तक विशेष मरम्मत कार्य लम्बाई लगभग 1 किमी0।

8-बलिया सोनौली मार्ग उभांव पुल के पास से मुबारकपुर होते हुए बांसपार बहोरवा तक विशेष मरम्मत कार्य लम्बाई लगभग 3 किमी0।

9-विशुनपुरा चैनपुर होते हुए कुण्डैल चैनपुर मार्ग तक नवनिर्माण कार्य लम्बाई लगभग 1 किमी0।

10-पशुहारी गांव से नूरपुर राजभर बस्ती होते हुए राजपुर चट्टी तक विशेष मरम्मत कार्य लम्बाई लगभग 3 किमी0।

11-पलिया अनुसूचित बस्ती से राजपुर नहर होते हुए पशुहारी तक विशेष मरम्मत कार्य लम्बाई लगभग 2 किमी0।

अतः इस अविलम्बनीय अत्यन्त लोक महत्व के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए प्रकरण पर शीघ्र कार्यवाही की मांग करता हूँ।]

प्रदेश में मझवार की पर्यायवाची जेनेरिक नाम केवट, मल्लाह तथा शिल्पकार में प्रजापति कुम्हार सहित कतिपय अन्य जातियों को मझवार, तरमाली, पासी, शिल्पकार का अनुसूचित जाति का प्रमाण-पत्र निर्गत कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अनिल कुमार त्रिपाठी-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सदन के माध्यम से ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ कि 29 अगस्त, 1977 के शासनदेश में भारत सरकार के संविधान में सूचिबद्ध अनुसूचित जाति के 66 जातियों के समूह का उल्लेख किया गया है। इस सम्बन्ध में क्रम सं0-51 पर मझवार की पर्यायवाची जेनेरिक नाम केवट, मल्लाह आदि क्रम सं0-63 पर शिल्पकार में प्रजापति कुम्हार आदि उल्लेखित हैं तथा उसके गाइड

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

लाइन जिन बिन्दुओं के आधार पर बनाए गए है, उसमें उनका जो व्यवसाय है- फिशरमैन, क्राफ्टमैन, हण्टर, फारेस्टिव आदि उल्लिखित है, जिसमें सूची नं0-2 संलग्न है। 30 सालों से उनके हक, अधिकार न मिलने से ये जातियां समाज व विकास की मुख्य धारा से पिछड़ते चले गये। पिछली सरकार ने जाते-जाते दिनांक-31-12-2016 को राज्यपाल द्वारा अधिसूचना जारी कर उपरोक्त जातियों को पिछड़ी जाति से निकाल दिया, जिसमें सूची नं0-6 संलग्न है। जबकि सन् 1961 में सेन्सस ऑफ इंडिया 1961 एपेनडिस्क टू सेन्सस मैनुअल पार्ट (एक) सरकार द्वारा अनुसूचित जातियों की सूची जो प्रकाशित है, उसमें उपरोक्त जातियां पूर्ववत् सम्मिलित हैं। यहां यह कहना न्याय संगत होगा कि उपरोक्त जातियां अनुसूचित जाति से हैं एवं केन्द्र सरकार के अनुसूचित जातियों की सूची को देखते हुए उपरोक्त जातियों को मझवार, तरमाली, पासी, शिल्पकार का अनुसूचित जाति का प्रमाण-पत्र निर्गत कराया जाना न्याय संगत होगा। उ0प्र0 सरकार में इन्हें पिछड़ी जाति में शामिल किया गया जो गैर संवैधानिक है। उपरोक्त जातियों को पिछड़ी से हटाकर और केन्द्र सरकार संसद या सहकारिता एवं सामाजिक न्याय मंत्रालय से संवैधानिक एवं न्यायोचित तरीके से मझवार, तुरैहा, पासी, शिल्पकार जाति को परिभाषित करके उनके पर्यायवाची उपनाम केवट, मल्लाह, बिन्द, कहार, कश्यप, तुरैहा, बाथम, रैकवार, धिवर, प्रजापति, भर, राजभर आदि को अनुसूचित जाति का प्रमाण-पत्र उत्तर प्रदेश में दिलाने की कृपा करें। कृपया केन्द्र सरकार से आप माननीय जी मांग रखकर इन जातियों को संसद या सहकारिता एवं सामाजिक न्याय मंत्रालय से परिभाषित कराकर इनके मूल जाति व समूह मझवार, तुरैहा, पासी, शिल्पकार कराकर अनुसूचित जाति का प्रमाण-पत्र निर्गत कराए जाने की कृपा करें।

अतः मा0 महोदय जी से अनुरोध है कि इस अविलम्बनीय, लोक महत्व के विषय पर सदन का ध्यान आकृष्ट करते हुए शीघ्र कार्यवाही किये जाने की माँग करता हूँ।]

जनपद मुरादाबाद के नगर बिलारी के आइडिया ग्राउण्ड को खेल स्टेडियम बनाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री मौहम्मद फहीम इरफान-

[महोदय, तहसील बिलारी, जिला-मुरादाबाद में खेल प्रतिभाओं को आगे लाने के लिये खेल स्टेडियम का होना आवश्यक है। नगर बिलारी में जिला पंचायत की भूमि पर आईडिया खेल ग्राउंड है, मगर उसमें खेलने के लिये पिच, खिलाड़ियों के बैठने की व्यवस्था, पर्याप्त रोशनी व्यवस्था, ग्राउंड की चारदीवारी नहीं हैं, जिसके चलते खिलाड़ियों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। स्टेडियम बनने से छिपी खेल प्रतिभाओं को नगर व क्षेत्र का नाम रोशन करने का मौका मिलेगा। नगर बिलारी में स्थित एकमात्र खेल ग्राउण्ड भी बदहाल हालत में है। इसके सम्बन्ध में कई बार मांग भी जा चुकी है, परन्तु अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है।

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

अतः मैं इस अविलम्बनीय लोक महत्व के प्रश्न पर सदन का ध्यान आकर्षित करते हुए तहसील बिलारी, जिला-मुरादाबाद के नगर बिलारी के आइडिया ग्राउण्ड को खेल स्टेडियम बनवाये जाने की मांग करता हूँ।]

जनपद अम्बेडकरनगर स्थित अकबरपुर से कादीपुर मार्ग के चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री लालजी वर्मा-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहता हूँ कि अकबरपुर से कादीपुर मार्ग जोकि अम्बेडकरनगर एवं सुल्तानपुर जिले का प्रमुख मार्ग है। जोकि पूर्वांचल एक्सप्रेस के निर्माण के बाद आवागमन अत्यधिक बढ़ गया है। उक्त मार्ग की चौड़ाई कम होने के कारण आम जनता को अत्यधिक कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। प्रायः जाम लगा रहता है।

अस्तु इस लोक महत्व के प्रश्न पर सरकार का ध्यान आकृषित करते हुए उक्त मार्ग को 4 लेन करने की मांग करता हूँ।]

जनपद प्रतापगढ़ के तहसील लालगंज के अन्तर्गत नवसृजित विकास खण्ड मंगापुर उदयपुर को क्रियाशील कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-

[महोदय, मेरा निर्वाचन क्षेत्र रामपुर खास जनपद प्रतापगढ़ अत्यंत ही पिछड़ा हुआ क्षेत्र है। भौगोलिक दृष्टिकोण से लोगों को अत्यंत परेशानी उठानी पड़ती है। यह क्षेत्र नदी-नालों से भरा हुआ है, क्षेत्र का चहुमुखी विकास करने के लिये, तथा लोगों की समस्याओं का निराकरण करने के उद्देश्य से जनहित में मेरे निर्वाचन क्षेत्र के तहसील लालगंज के अंतर्गत 'मंगापुर उदयपुर' के नाम से एक नया विकास खण्ड स्वीकृत किया गया है, जिसका शासनादेश और सरकारी 'गजट' भी दिनांक 20 दिसम्बर, 2016 को जारी हो गया है, किन्तु अभी तक इसको क्रियाशील नहीं किया गया है। उक्त विकास खण्ड से जहाँ क्षेत्र का चतुर्दिक विकास होगा वहीं लोगों को भी सुविधा होगी। नवसृजित 'मंगापुर उदयपुर' जनहित में अतिशीघ्र क्रियाशील किया जाना आवश्यक है।

अतः लोक महत्व के इस अविलम्बनीय प्रश्न पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुये कार्यवाही की मांग करती हूँ।]

जनपद बुलन्दशहर के ग्राम माँगलौर से रहमापुर स्यावली सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री प्रदीप कुमार चौधरी-

[महोदय, अवगत कराना है कि ग्राम मॉगलौर व रहमापुर स्यावली कच्चा रास्ता है, इस रास्ते की लम्बाई लगभग 2.5 किमी0 है ये रास्ता पूरी तरह दयनीय स्थिति में है यह रास्ता

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

आने-जाने योग्य नहीं है। इसलिए ग्रामवासियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए रास्ते का निर्माण कराना अति आवश्यक है।

अतः इस क्षेत्र की जनता आपकी सदैव अभारी रहेगी जनहित में उपरोक्त रास्ते का निर्माण कराया जाना अति आवश्यक है।]

जनपद शाहजहांपुर की विधान सभा क्षेत्र कटरा के औषधि निरीक्षक द्वारा किये जा रहे भ्रष्टाचार के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री वीर विक्रम सिंह-

[महोदय, अवगत कराना है कि जनपद शाहजहांपुर की 131, कटरा विधान सभा क्षेत्र अन्तर्गत औषधि निरीक्षक द्वारा मनमाने तरीके से अवैध मेडिकल स्टोर के दुकानदारों से धन वसूली की जा रही है। जिससे अनुभवहीन दवा दुकानदारों द्वारा गलत दवाइयां बेचने के कारण उन दवाइयों का प्रयोग करने वाले मरीजों की मौत हो रही है। औषधि निरीक्षक द्वारा इस कार्य में पूर्ण सहयोग देकर उनसे मोटी रकम ली जाती है। इसकी शिकायत मेरे द्वारा जिले स्तर के उच्चाधिकारियों को व शासन से भी लिखित व मौखिक रूप से की जा चुकी है, परन्तु उक्त औषधि निरीक्षक के विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं हुई है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय जनता की लोक महत्व के इस प्रकरण पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए कार्यवाही की मांग करता हूँ।]

जनपद बिजनौर की विधान सभा क्षेत्र नगीना के अन्तर्गत किरतपुर एवं नगीना में रोडवेज बस स्टैण्ड बनवाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री मनोज कुमार पारस-

[महोदय, मै आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहता हूँ कि जनपद बिजनौर की विधान सभा क्षेत्र नगीना के कस्बा नगीना मे रोडवेज बस स्टैण्ड बहुत खस्ता हाल है इस बस स्टैण्ड की नई बिल्डिंग शहर से बाहर नेशनल हाई-वे-74 पर शहर के पास बनवाने हेतु एवं इसी प्रकार कस्बा किरतपुर में रोडवेज बस स्टैण्ड न होने की वजह से आस-पास के ग्रामीण एवं शहरी लोगों को अन्य दूसरे शहर में आने जाने हेतु बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। जिस कारण जनता में सरकार के प्रति आक्रोश रहता है।

अतः इस अविलम्बनीय, लोक महत्व के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए उक्त दोनो कस्बों में रोडवेज बस स्टैण्ड बनवाने की मांग सरकार से करता हूँ।]

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र डिबाई के अन्तर्गत अनूपशहर-अलीगढ़ लिंक रोड से डिबाई-कर्णवास लिंक रोड तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री चन्द्रपाल सिंह-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन के संज्ञान में लाना चाहता हूँ कि जनपद बुलन्दशहर की विधान सभा क्षेत्र-68 डिबाई क्षेत्र के अंतर्गत अनूशहर-अलीगढ़ लिंक रोड़ से तलवार रजवाहे की पटरी-पटरी डिबाई-कर्णवास लिंक मार्ग तक रास्ता कच्चा व गड्ढेनुमा है, जबकि यह रास्ता आवागमन व कई गाँव को जोड़ने का अच्छा माध्यम है। रास्ते पर काफी मात्रा में रेत व गड्ढ़े किसानों व आम जनता के ट्रैक्टर-बुग्गी इत्यादि के आवागमन में बाधा बने हुए हैं। जिसकी लम्बाई लगभग 7 किमी0 है। किसानों, आम जनता की समस्या व कई गाँवों के जोड़ने वाले विधान सभा क्षेत्र-68 डिबाई के इस रास्ते का डामरीकरण/नवनिर्माण कराया जाना अत्यन्त आवश्यक है।

अतः मैं आपके माध्यम से लोक महत्व के इस विषय की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए उक्त रास्ते का डामरीकरण/नवनिर्माण कराये जाने हेतु कार्यवाही की माँग करता हूँ।]

जनपद झांसी की विधान सभा क्षेत्र गरौठा के अन्तर्गत बेतवा नदी पर खिरिया घाट पर रपटा के स्थान पर पुल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री जवाहर लाल राजपूत-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से एक लोक महत्व के विषय को सदन के संज्ञान में लाना चाहता हूँ।

जनपद झांसी में बेतवा नदी पर खिरिया घाट में रपटा बना हुआ है। जो मोंठ से गुरसराय सड़क मार्ग के मध्य बेतवा नदी पर है। लेकिन बरसात के समय नदी में पानी बढ़ जाने पर वह चार महीने बन्द हो जाता है। जिससे आस-पास के लोगों को आने जाने में बहुत परेशानी होती है। पुल न होने से लोगों को 50-60 किमी0 चक्कर लगाकर जाना जाना पड़ता है। यहां डिफेन्स कॉरीडोर का निर्माण व एरच बांध का निर्माण भी हो रहा है तथा 20 किमी0 तक आगे-पीछे नदी पर कोई भी पुल नहीं है। पुल न होने के कारण गरौठा विधान सभा दो हिस्सों में बंटी हुयी है। उक्त स्थान पर जनहित में खिरिया घाट के पुल का निर्माण कार्य योजना में सम्मिलित करते हुए प्राथमिकता से कराया जाना आवश्यक है।

अतः जनहित में बेतवा नदी के खिरिया घाट पर रपटा के स्थान पर पुल का निर्माण करवाने की कृपा करें।]

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद बिजनौर की विधान सभा क्षेत्र नूरपुर के नगर पंचायत सहसपुर में जर्जर विद्युत लाइन को हटाकर केबिल के माध्यम से विद्युत आपूर्ति कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राम अवतार सिंह-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान अत्यन्त लोक महत्व के गम्भीर विषय की ओर ले जानना चाहता हूँ कि मेरे विधान सभा क्षेत्र-24 नूरपुर जनपद-बिजनौर के नगर पंचायत सहसपुर में विद्युत लाइनें अत्यन्त कमजोर और काफी पुरानी हो गयी हैं। जिस कारण प्रायः फाल्ट होता रहता है और विद्युत आपूर्ति बाधित रहती है। नगर में हाईवोल्टेज पॉवर सप्लाई के माध्यम से विद्युत आपूर्ति की जाती है। औद्योगिक दृष्टि से सहसपुर हैण्डलूम के कारोबार से जुड़ा है और आजीविका का मुख्य साधन है।

अतः मैं चाहता हूँ कि प्राथमिकता के आधार पर नगर पंचायत सहसपुर के जर्जर विद्युत लाइन को तत्काल हटाकर उसके स्थान पर केबिल के माध्यम से विद्युत आपूर्ति कराने के आदेश सरकार द्वारा जारी किये जायें।

अतः इस लोक महत्व के प्रश्न पर सरकार से अविलम्बनीय वक्तव्य दिये जाने की मांग करता हूँ।]

जनपद गोण्डा के विधान सभा क्षेत्र करनैलगंज में राजकीय विश्वविद्यालय की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अजय-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन के संज्ञान में लाना चाहता हूँ कि मेरी विधान सभा क्षेत्र-298, करनैलगंज जनपद गोण्डा सहित पूरे देवीपाटन मण्डल में एक भी विश्वविद्यालय नहीं है जनपद व मण्डल के समस्त स्थापित महाविद्यालयों की सम्बद्धता प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से है जिससे जनपद व मण्डल के छात्र व छात्राओं तथा उच्च शिक्षा से सम्बन्धित शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को अपने कार्यों के लिए अत्यन्त कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, जनपद गोण्डा मण्डल मुख्यालय होने के साथ-साथ मण्डल के मध्य में स्थित है, मुख्यालय के निकट ही विकास खण्ड परसपुर के ग्राम पंचायत डोमा कल्पी, विश्वविद्यालय स्थापना हेतु भूमि भी उपलब्ध है जनपद व मण्डल में उच्च शिक्षा हेतु राजकीय विश्वविद्यालय की स्थापना करना अति आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय, लोक महत्व के इस गम्भीर विषय पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए वक्तव्य की मांग करता हूँ।]

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद लखनऊ की विधान सभा क्षेत्र सरोजनीनगर के ग्राम सभा हरौनी में कन्या महाविद्यालय खोले जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

डा0 राजेश्वर सिंह-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से इस अविलम्बनीय, लोक महत्व की सूचना पर ध्यान दिलाना चाहूँगा। मेरा विधान सभा क्षेत्र सरोजनी नगर, लखनऊ के विकास खण्ड सरोजनीनगर में कन्या महाविद्यालय न होने से छात्राओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में असुविधा होती है। ग्राम सभा हरौनी में कन्या महाविद्यालय खोले जाने की मांग स्थानीय जनता की लम्बित है, जिससे यहां पर ग्रामीण क्षेत्रों की छात्राओं को उच्च शिक्षा से वंचित होना पड़ रहा है। ऐसी परिस्थिति में ग्राम सभा हरौनी, विकास खण्ड सरोजनीनगर में एक कन्या महाविद्यालय स्वीकृत किए जाने की नितान्त आवश्यकता है।

अतः जनहित में इस अविलम्बनीय, लोक महत्व के प्रश्न पर सरकार का ध्यान आकृष्ट करने की माँग करता हूँ।]

जनपद बलरामपुर की विधान सभा क्षेत्र बलरामपुर सदर में बालपुर-गोण्डा रेल सेक्शन पर निर्माणाधीन उपरिगामी सेतु से सम्बन्धित शासनादेश में संशोधन कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री पल्टू राम-

[महोदय, अवगत कराना है कि मेरे विधान सभा क्षेत्र बलरामपुर सदर में उतरौला बाईपास पर स्थित बालपुर-गोण्डा रेल सेक्शन के किमी0 182/8-9 पर निर्माणाधीन 2-लेन रेल उपरिगामी उ0प्र0 राज्य सेतु निगम द्वारा निर्माण कर दिया गया है, परन्तु रेलवे भाग पर रेलवे द्वारा निर्माण कराया जाना पूर्व में शासनादेश में उल्लेखित है, परन्तु रेलवे द्वारा ये अवगत कराया गया है कि उक्त निर्माण सेतु निगम स्वयं करा दे। अतः शासनादेश में संशोधन कराना जनहित में अत्यन्त आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय जनता की लोक महत्व/जनहित के इस प्रश्न पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए कार्यवाही की मांग करता हूँ।]

जनपद बलिया की विधान सभा क्षेत्र रसड़ा के प्यारेलाल चौराहे के रेलवे क्रासिंग पर उपरिगामी सेतु का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री उमा शंकर सिंह-

[महोदय, मैं एक अत्यन्त ज्वलन्त एवं जनहित के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुये सदन को यह अवगत कराना चाहता हूँ कि जनपद बलिया की सबसे बड़ी नगर पालिका क्षेत्र रसड़ा के प्यारे लाल चौराहे पर एक रेलवे क्रासिंग है तथा इस रेलवे क्रासिंग के

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

पास ही तहसील, कचहरी एवं मुंसिफ के साथ ही साथ रसड़ा का मेन बाजार भी पड़ता है, जिससे यहां पर अत्यधिक आवागमन रहता है। चूंकि इसी रेल मार्ग से बिहार एवं बंगाल व अन्यत्र जाने वाली ट्रेनों का रूट होने के कारण यहां पर क्रासिंग बन्द होने से हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती है।

मान्यवर, यदि इस राज्य मार्ग पर जनपद बलिया की रसड़ा तहसील के प्यारे लाल चौराहे में पड़ने वाली रेलवे क्रासिंग पर उपरिगामी सेतु का निर्माण करा दिया जाता है, तो यहां की लाखों-लाख जनता को इससे सीधा लाभ मिलेगा तथा हमेशा लगने वाले जाम की स्थिति भी खत्म हो जायेगी।

अतः जनहित एवं लोक महत्व के इस अविलम्बनीय विषय पर जनपद बलिया की रसड़ा तहसील के प्यारे लाल चौराहे में पड़ने वाली रेलवे क्रासिंग पर उपरिगामी सेतु का निर्माण कराये जाने हेतु शासन से कार्यवाही की मांग करता हूँ।]

जनपद उन्नाव की विधान सभा क्षेत्र पुरवा के अन्तर्गत हिलौली करदहा मुख्य मार्ग से बाबा कन्जेश्वर धाम तक मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अनिल कुमार सिंह-

[महोदय, जनपद-उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र-167, पुरवा उन्नाव अन्तर्गत हिलौली करदहा मुख्य मार्ग से लोहरामऊ होते हुए बाबा कन्जेश्वर धाम, सई नदी सेतु तक मार्ग कच्चा एवं गड्ढायुक्त है। जिससे उन्नाव जनपद के क्षेत्रीय लोग एवं दर्शनार्थियों को प्राचीन एवं प्रसिद्ध बाबा कन्जेश्वर धाम दर्शन हेतु जाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रीय लोगों द्वारा उक्त कच्चे मार्ग का नव निर्माण कराए जाने हेतु अनुरोध किया गया है, परन्तु अभी तक बनवाए जाने हेतु कोई कार्यवाही नहीं की गयी है। जिससे क्षेत्रीय जनमानस में सरकार के प्रति रोष व्याप्त है।

अतः इस लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराए जाने की मांग करता हूँ।]

जनपद लखनऊ में शासन द्वारा स्वीकृत आई0टी0आई0 निर्माण हेतु आवास एवं शहरी नियोजन विभाग में लम्बित भूमि सम्बन्धी प्रस्ताव के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

डा0 नीरज बोरा-

[महोदय, लखनऊ उत्तर विधान सभा क्षेत्र में सरकार द्वारा आई0टी0आई0 कालेज खोले जाने का निर्णय लिया गया था। खेदजनक है कि वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृतियों के बाद भी अभी तक कार्य आरम्भ नहीं हो पाया है। इस विषय को लेकर सम्बन्धित को अनेक पत्र लिखे गये, सदन में ध्यानाकर्षण कराया गया, किन्तु अभी तक कार्य इसलिए आरम्भ नहीं हो

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

पाया है क्योंकि कालेज हेतु चिन्हित और डालीगंज में उपलब्ध भूमि नजूल की होने के कारण लखनऊ विकास प्राधिकरण के स्वामित्व में है तथा इसे कालेज निर्माण हेतु दिये जाने विषयक प्रस्ताव आवास एवं शहरी नियोजन विभाग के अन्तर्गत लम्बित तथा वर्षों से प्रतीक्षित है। सरकार की प्राथमिकता वाली महत्वाकांक्षी योजनाओं के अन्तर्गत आने वाले व्यावसायिक व तकनीकी शिक्षा के इस केन्द्र का निर्माण शीघ्रातिशीघ्र कराया जाना नितान्त आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत इस व्यापक लोक महत्व के विषय पर सम्मानित सदन का ध्यान आकृष्ट करते हुए कार्यवाही की मांग करता हूँ।]

जनपद बलिया की विधान सभा क्षेत्र बांसडीह में राजकीय महिला महाविद्यालय का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्रीमती केतकी सिंह-

[महोदय, अवगत कराना है कि जनपद-बलिया की मेरी विधान सभा क्षेत्र-362, बाँसडीह, में छात्र-छात्राओं के लिए राजकीय महिला महाविद्यालय स्थित नहीं है, जिस कारण से यहां के छात्र-छात्राओं को दूर-दराज लगभग 20-25 किलोमीटर दूर शिक्षा ग्रहण करने जाना पड़ता है। मेरी विधान सभा क्षेत्र में राजकीय महिला महाविद्यालय की स्थापना होने से लगभग 30 गांव के बच्चों को लाभ मिलेगा। जनहित में जनपद-बलिया की विधान सभा क्षेत्र बाँसडीह में महाविद्यालय की स्थापना किया जाना नितान्त आवश्यक है।

अतः मैं आपके माध्यम से लोक महत्व के इस अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुये कार्यवाही की मांग करती हूँ।]

जनपद अयोध्या के विधान सभा क्षेत्र रुदौली के अन्तर्गत रुदौली-अमानीगंज मार्ग का पुनर्निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राम चन्द्र यादव-

[महोदय, जनपद अयोध्या के विधान सभा क्षेत्र रूदौली अन्तर्गत रुदौला–इन्हौना मार्ग पर विगनिया पुल से बरायें होते हुए अमानीगंज-रुदौली मार्ग तक पूर्वान्चल राज्यांश योजना अन्तर्गत बनाई गयी सड़क/मार्ग लम्बाई 8 किमी0 पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गयी है, जिसके कारण गन्ना किसानों की ट्रालियां/आम-जन को तहसील व ब्लाक रुदौली आने-जाने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और कई दुर्घटनायें भी घट चुकी हैं। उक्त मार्ग को बनाने वाली कार्यदायी संस्था आर0ई0एस0 विभाग को कई बार मेरे द्वारा अवगत कराया गया, परन्तु अभी तक उपरोक्त मार्ग का विशेष मरम्मत/पुनर्निर्माण नहीं कराया गया। जिसके कारण क्षेत्रवासियों में आक्रोश व्याप्त है।

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

अतः लोक महत्व के इस अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए उपरोक्त मार्ग का विशेष मरम्मत/पुनर्निर्माण कराये जाने हेतु कार्यवाही की मांग करता हूँ।]

जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बैरिया के अन्तर्गत गंगा और घाघरा नदी के किनारे बसे कतिपय गाँवों को बाढ़ से बचाने के लिये कटान रोधी कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री जय प्रकाश अंचल-

[महोदय, आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व के गम्भीर विषय की ओर दिलाना चाहता हूँ। जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बैरिया के गंगा और घाघरा नदी के अति प्रभावित गांवों जैसेः बेलहरी, सुघर छपरा, दुबे छपरा, गोपालपुर, उदई छपरा, जगदेवा पाण्डेयपुर, प्रसाद छपरा, बुधनचक, नरदरा भुसौला, जगदीशपुर, रघुनाथपुर, सेमरिया, गडेरिया, शिवपुर, कपूरदियर, सुरेमनपुर, दलकी नं0–(1), रामपुर कोड़रहा, इब्राहिमाबाद, नौबरार, कोड़रहा नौबरार, चाँददियर, गोपालनगर, नवकागांव, वशिष्ठनगर, माकनगढ़, शिवाल मठिया आदि प्रभावित गांवों को बाढ़ से बचाने के लिए क्या सरकार कोई कटान रोधी कार्य कराने हेतु कोई योजना बना रही है।

अतः इस जनहित के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए जनपद बलिया में बाढ़ से प्रभावित गांवों को बचाने के लिए कटान रोधी कार्य कराये जाने की मांग करता हूँ।]

जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र मुंगराबादशाहपुर में जर्जर विद्युत तारों को बदले जाने तथा ट्रांसफार्मर की क्षमतावृद्धि किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री पंकज-

[महोदय, आपके माध्यम से सदन का स्थान एक अति अविलम्बनीय, लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहता हूँ, मान्यवर, मेरे विधान सभा क्षेत्र मुंगराबादशाहपुर जनपद जौनपुर के अन्तर्गत मुंगराबादशाहपुर कस्बे में विद्युत तार बहुत ही जर्जर हैं। जर्जर होने के कारण विद्युत आपूर्ति समुचित रूप से नहीं हो पाती है। आये दिन तार कमजोर होने के कारण दुर्घटनायें भी घटित होती रहती हैं। इन दुर्घटनाओं को रोकने तथा समुचित रूप से विद्युत आपूर्ति हेतु जर्जर तारों को बदलवाये जाने की आवश्यकता है। इसी तरह से सुजानगंज बाजार में विद्युत सब-स्टेशनों पर भार अधिक हो जाने के कारण प्रायः ट्रांसफार्मर खराब हो जाता है, जिससे सुजानगंज बाजार में वहां के लोगों को काफी कठिनाई होती है। इसलिए सभी ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि बढ़ाया जाना जनहित में आवश्यक है। जर्जर तार एवं क्षमता वृद्धि न बढ़ाये जाने के कारण क्षेत्रीय लोगों में सरकार के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

अतः मैं आपके माध्यम से इस अति अविलम्बनीय, लोक-महत्व के विषय पर सरकार से वक्तव्य दिये जाने एवं जर्जर विद्युत तारों को बदले जाने एवं ट्रासफार्मरों की क्षमता वृद्धि कराये जाने की मांग करता हूँ।]

जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र बदलापुर के नगर पंचायत के अन्तर्गत भीमपुर रजवाहा पर पुलिया का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री रमेश न्द्र मिश्र-

[महोदय, अवगत कराना है कि मेरे विधान सभा क्षेत्र बदलापुर के नगर पंचायत के अन्तर्गत भीमपुर रजवाहा पर बिठुआकला रेलवे क्रांसिंग निषाद बस्ती के सामने किमी0 17.250, सरोखनपुर वार्ड मौर्या बस्ती के सामने 19.50 किमी0 पर, ऊदपुर गेलहुआ तिवारी बस्ती किमी0 21.5 पर पुलिया का निर्माण कराया जाना जनहित में आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय, लोक महत्व के इस प्रश्न पर आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए कार्यवाही करने की मांग करता हूँ।]

जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र जखनियां में कतिपय मार्गों एवं सेतुओं का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री बेदी-

[महोदय, अविलम्बनीय, अत्यन्त लोक हित के विषय पर मा0 मुख्य मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ कि मेरे विधान सभा क्षेत्र जखनियाँ अति पिछड़ा क्षेत्र है। यहाँ पर पहुँच मार्गों एवं लघु सेतुओं का अभाव है, जिससे जनता को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

1-घटारो-उचहुआ के बीच दोनों नदी पर लघु सेतु एवं पहुँच मार्ग।

2-धुरेहरा-टोडरपुर के बीच मगई नदी पर लघु सेतु एवं पहुँच मार्ग।

3-रायपुर चिरैयाकोट सम्पर्क मार्ग के माधौटाण्डा में बेसो नदी पर लघु सेतु एवं पहुँच मार्ग।

4-रसूलपुर-खुटहन के बीच में खरारी नदी पर लघु सेतु एवं पहुँच मार्ग।

5-बेलहरा में चानकपुर (पिपरा) में बेसो नदी पर छलका पुल।

6-भालाखुर्द और भीटी के बीच बेसो नदी पर छलका पुल।

7-तिलेसड़ा में मगई नदी पर छलका पुल।

8-सिखड़ी और मरदानपुर के बीच मगई नदी पर लघु सेतु एवं पहुँच मार्ग।

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

अतः इस अविलम्बनीय, अत्यन्त लोक महत्व के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए प्रकरण पर शीघ्र कार्यवाही की मांग करता हूँ।]

कार्यालय रजिस्ट्रार/विभागाध्यक्ष, औद्योगिक न्यायाधिकरण एवं श्रम न्यायालय, उ0प्र0, प्रयागराज के ओदश सं0-392/औ0 न्या0 स्था0/2022, दिनांक 30-06-2022 का क्रियान्वयन कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री नवाब जान-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन के संज्ञान में लाना चाहता हूँ कि कार्यालय रजिस्ट्रार/विभागाध्यक्ष, औद्योगिक न्यायाधिकरण एवं श्रम न्यायालय, उ0प्र0, प्रयागराज के आदेश सं0-392/औ0न्या0स्था0/2022, दिनांक 30-06-2022 के आदेशानुसार कर्मियों का स्थानान्तरण किया गया था, किन्तु लगभग छः माह व्यतीत हो जाने के बाद भी आज तक कुछ स्थानान्तरित कर्मचारियों द्वारा आदेश का पालन न करते हुये नवीन तैनाती स्थान पर ज्वाइनिंग नहीं दी गयी है। इस कृत्य में संलिप्त कर्मचारियों एवं अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही एवं स्थानान्तरित कर्मचारियों को उनके नवीन तैनाती स्थान पर ज्वाइनिंग सुनिश्चित कराया जाना अति आवश्यक है।

अतः लोक महत्व के इस गम्भीर विषय पर मैं सदन का ध्यान आकृष्ट करता हूँ।]

वित्तीय वर्ष 2022-23 के अनुपूरक अनुदानों की मांगों का प्रस्तुतीकरण

श्री अध्यक्ष-

आज हम सब लोगों ने माननीय मुलायम सिंह जी के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की है, इसीलिए सत्र को सीमित रखा गया है। अनुपूरक बजट के लिए संवैधानिक बाध्यता होती है। महामहिम गवर्नर जी के द्वारा तिथि और समय निर्धारित किया जाता है जो कि 12:20 पर निर्धारित था, परन्तु अभी 10 मिनट बाकी है। लेकिन मैं सदन की अनुमति से माननीय संसदीय कार्यमंत्री जी से निवेदन करता हूँ कि उसको प्रस्तुत कर दें।

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से वित्तीय वर्ष 2022-2023 के अनुपूरक अनुदानों की माँगों का विवरण प्रस्तुत करता हूँ।

मान्यवर, इसका विवरण इस (टैबलेट) पर आ जायेगा।

श्री अध्यक्ष-

कॉपी अभी वितरित करा दीजिए।

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

मद सं0-4 सदस्यों की गिरफ्तारी से सम्बन्धित है। वर्तमान में जो बुलेटिन जारी हो चुके है, उसके अलावा कोई सूचना नहीं है।

विशेषाधिकार की अवहेलना का भी कोई प्रश्न नहीं है।

कार्य-मंत्रणा समिति द्वारा सदन के कार्यक्रम निर्धारण की सिफारिशें विषयक प्रस्ताव

श्री अध्यक्ष-

उत्तर प्रदेश विधान सभा की कार्य-मंत्रणा समिति ने अपनी दिनांक 04 दिसम्बर, 2022 की बैठक में दिनांक 05 दिसम्बर, 2022 से दिनांक 07 दिसम्बर, 2022 तक के उपवेशनों का कार्यक्रम निम्नलिखित रूप में रखे जाने की सिफारिशें की हैं :-

1-दिनांक 05 दिसम्बर, 2022 को निधन के निर्देश अर्थात् निधन की सूचनायें ली जायें।

2-दिनांक 05 दिसम्बर, 2022 के उपवेशन में प्रश्नकाल न हो।

3-दिनांक 05 दिसम्बर, 2022 को केवल नियम-51, 301 की सूचनायें ली जायें।

4-नियम-103 के प्रस्ताव दिनांक 06 दिसम्बर, 2022 को ले लिये जायें।

दिनांक 05 दिसम्बर, 2022 से दिनांक 07 दिसम्बर, 2022 तक के उपवेशनों का तिथिवार कार्यक्रम निम्नवत् रखा जाय :-

दिसम्बर, 2022

05 सोमवार	1-निधन के निर्देश अर्थात् निधन की सूचनायें।
	2-12:20 बजे अपराह्न
	वित्तीय वर्ष 2022-2023 के अनुपूरक अनुदानों की मांगों का प्रस्तुतिकरण।
06 मंगलवार	1-औपचारिक कार्य, यथा अध्यादेशों, अधिसूचनाओं, नियमों आदि का सदन के पटल पर रखा जाना, विधेयकों का पुरःस्थापन आदि, यदि कोई हों।
	2-वित्तीय वर्ष 2022-2023 के अनुपूरक अनुदानों पर चर्चा, मांगों पर विचार एवं मतदान तथा तत्सम्बन्धी विनियोग विधेयक का सदन की अनुज्ञा से पुरःस्थापन, उस पर विचार एवं उसका पारण।
	3-विधायी कार्य।
07 बुधवार	1-विधायी कार्य।
	2-अन्य कार्य, यदि कोई हों।

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से प्रस्ताव करता हूँ कि यह सदन कार्य-मंत्रणा समिति की सिफारिश से जिसकी सूचना आज श्री अध्यक्ष द्वारा सदन में दी गई है, से सहमत है।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि यह सदन कार्य-मंत्रणा समिति की सिफारिश विषयक प्रस्ताव जो माननीय संसदीय कार्य मंत्री द्वारा प्रस्तुत किया गया है, से यह सदन सहमत है ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ)

श्री अध्यक्ष-

मद सं0-07 में कुछ नहीं है।

[12:14] नियम-51 के अन्तर्गत सूचनाएँ

श्री अध्यक्ष-

आज नियम-51 में अंतर्गत कुल 35 सूचनायें प्राप्त हुई हैं, शलाका के आधार पर जन-सूचनाओं को चयनित किया गया है, अगर वह माननीय सदस्य यहाँ उपस्थित होंगे, तो उनकी सूचना स्वीकार मानी जायेगी।

(माननीय अध्यक्ष ने सदस्यों का नाम पुकारना प्रारम्भ किया)

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

माननीय अध्यक्ष जी, आज सभी सूचनाओं को आप स्वीकार कर लीजिए।

श्री लालजी वर्मा-

मान्यवर, आज नियम-51 की सभी सूचनाओं को स्वीकार कर लीजिए।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है।

आज नियम-51 के अन्तर्गत कुल 35 सूचनाएं प्राप्त हुईं जिनमें सभी माननीय सदस्यों की सूचनाएं स्वीकार की गयीं।

पहली सूचना श्रीमती केतकी सिंह की जनपद बलिया के वि0स0 क्षेत्र बाँसडीह के ग्राम सभा शाहपुर में जर्जर सड़क के निर्माण के सम्बन्ध में है, दूसरी सूचना श्री सचिन यादव की तहसील जसराना में अक्टूबर माह में हुई बारिश के कारण फसल बर्बाद होने से किसानों को मुआवजा दिलाये जाने के सम्बन्ध में है, तीसरी सूचना श्री मनीष असीजा की जनपद फिरोजाबाद के कांच उद्योग हेतु नेचुरल गैस पर लगने वाले वैट को कम कराये जाने के सम्बन्ध में है, चौथी सूचना श्री मनोज कुमार पाण्डेय की जनपद रायबरेली के मोहल्ला निरालानगर में कतिपय व्यक्तियों के खिलाफ कार्यवाही कराये जाने के सम्बन्ध में है, पांचवीं सूचना श्री रमेश चन्द्र मिश्र

की जनपद जौनपुर के वि0स0 क्षेत्र बदलापुर में कतिपय सड़क मार्ग के निमार्ण के सम्बन्ध में है, जो वक्तव्य हेतु स्वीकृत हुईं, पहली सूचना मौहम्मद फहीम इरफान की जनपद मुरादाबाद के तहसील व ब्लाक बिलारी की ग्राम पंचायत रुस्तमनगर सहसपुर को नगर पंचायत बनाये जाने के सम्बन्ध में केवल वक्तव्य हेतु स्वीकृत हुई। पहली सूचना श्री आशुतोष शुक्ल की जनपद उन्नाव के भगवन्तनगर के वि0स0 क्षेत्र भगवन्तपुर में प्राथमिक विद्यालय में बाउण्ड्रीवाल के निर्माण के सम्बन्ध में है, दूसरी सूचना डॉ0 राजेश्वर सिंह की जनपद लखनऊ के सरोजनीनगर में स्मार्ट सिटी के अन्तर्गत अण्डरग्राउण्ड सीवेज एवं ड्रेनेज बनवाये जाने के सम्बन्ध में है, तीसरी सूचना श्री उमाशंकर सिंह की जनपद बलिया के वि0स0 क्षेत्र रसड़ा में पौराणिक महत्व के स्थलों का विकास न होने से उत्पन्न परिस्थिति के सम्बन्ध में है, चौथी सूचना श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना' की जनपद प्रतापगढ़ की तहसील लालगंज में बन चुके ट्रामा सेण्टर को क्रियाशील किये जाने के सम्बन्ध में है, पांचवीं सूचना श्री राम चन्द्र यादव की जनपद अम्बेडकरनगर में खेमराज स्मारक राष्ट्रीय विद्यापीठ इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य द्वारा किये गये नियम विरुद्ध अवैधानिक नियुक्ति पर तत्काल कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में है, छठी सूचना श्री लोकेन्द्र प्रताप सिंह की विधान सभा क्षेत्र मोहम्मदी के मूड़ा-पिपरी मार्ग में विधुत पोल शिफ्टिंग के सम्बन्ध में है, सातवीं सूचना श्री हंसु राम की जनपद आजमगढ़ के ग्राम पतिला गौसपुर में भू-माफियाओं द्वारा फर्जी दस्तावेज तैयार कर अनुसूचित जाति महिला की जमीन को हड़पने के सम्बन्ध में है, आठवीं सूचना श्री विरेन्द्र कुमार यादव की जनपद गाजीपुर के जंगीपुर में कतिपय सड़कों के निर्माण के सम्बन्ध में है, नवीं सूचना श्री जियाउर्रहमान की जनपद मुरादाबाद में ओवरलोड वाहनों के नाम पर हो रहे अवैध जुर्माने के सम्बन्ध में है, दसवीं सूचना श्री लालजी वर्मा की जनपद अम्बेडकरनगर के कतिपय व्यक्ति की गुमशुदगी के सम्बन्ध में है, ग्यारहवीं सूचना श्री राजीव सिंह "पारीछा" की वि0स0 क्षेत्र चिरगांव में कतिपय मार्ग पर सेतु निर्माण के सम्बन्ध मे है, बारहवीं सूचना श्री मनोज कुमार पारस की जनपद बिजनौर के वि0स0 क्षेत्र नगीना में मुस्लिम इण्टर कालेज के ग्राउण्ड में मिनी स्टेडियम बनवाने के सम्बन्ध में है, तेरहवीं सूचना श्री महेन्द्र नाथ यादव की जनपद बस्ती के राजमार्ग 28 पर स्थित टोल प्लाजा पर अवैध वसूली रोके जाने के सम्बन्ध में है, चौदहवीं सूचना श्री विनोद सरोज की जनपद प्रयागराज में राष्ट्रीय राजमार्ग पर अवैध रूप से चल रहे टोल प्लाजा के सम्बन्ध में है, पन्द्रहवीं सूचना श्री श्याम सुन्दर की जनपद उन्नाव के भगवन्तनगर में गौशाला तथा सामुदायिक शौचालय बनवाये जाने के सम्बन्ध में है, सोलहवीं सूचना श्री मनीष कुमार उर्फ मन्टू की जनपद कुशीनगर में गन्ना किसानों के वर्तमान सर्वे के आधार पर सप्लाई टिकट बनाकर गन्ना तौल कराये जाने के सम्बन्ध में है, सत्रहवीं सूचना श्री वीर विक्रम सिंह की जनपद शाहजहाँपुर में जिला खाद्य विपणन अधिकारी एवं केन्द्र प्रभारियों के द्वारा हो रहे भ्रष्टाचार की उच्च स्तरीय जांच कराये जाने के सम्बन्ध में है, अट्ठारहवीं सूचना श्री प्रदीप कुमार चौधरी की जनपद बुलन्दशहर की विधान सभा क्षेत्र में ग्राम "अकबरपुर रैना" का नाम बदल कर "रैना" किये जाने के सम्बन्ध मे है,

उन्नीसवीं सूचना श्री चन्द्रपाल सिंह की जनपद बुलन्दशहर की विधान सभा क्षेत्र में मार्ग के चौड़ीकरण/सौन्दर्यीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में है, बीसवीं सूचना श्री जवाहर लाल राजपूत की जनपद झांसी में बेतवा नदी पर रुके हुए एरच बांध परियोजना को यथाशीघ्र पूर्ण कराये जाने के सम्बन्ध में है, इक्कीसवीं सूचना श्री अजय सिंह की जनपद गोण्डा में कृषि महाविद्यालय के बन्द पड़े निर्माण को पूर्ण कराये जाने के सम्बन्ध में है, बाइसवीं सूचना, श्री पल्टूराम की जनपद बलरामपुर में पशु चिकित्साधिकारी के द्वारा हो रहे भ्रष्टाचार की जाँच कराये जाने के सम्बन्ध मे है, तेइसवीं सूचना श्री अनिल कुमार सिंह की जनपद उन्नाव में सई नदी पर सेतु का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, चौबीसवीं सूचना डा0 नीरज बोरा की जनपद लखनऊ में पक्का पुल से पुरनिया तिराहे तक गोमती किनारे बने तटबन्ध व सम्पर्क मार्ग की मरम्मत के सम्बन्ध में है, पच्चीसवीं सूचना श्री पंकज की जनपद जौनपुर में थाना मुंगराबादशाहपुर में दिनांक 06-09-2022 को हुई बच्चे की गुमशुदगी के सम्बन्ध में है, छब्बीसवीं सूचना श्री जय प्रकाश अचल की जनपद बलिया के वि0स0 क्षेत्र बैरिया में विद्युतीकरण का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में है, सत्ताइसवीं सूचना श्री वीरेन्द्र चौधरी की जनपद महराजगंज के तहसील बल्दीराय सुल्तानपुर में पात्र व्यक्तियों को आवासीय पट्टा दिलाये जाने के सम्बन्ध में है, अट्ठाइसवीं सूचना श्री अनिल कुमार त्रिपाठी की जनपद गोण्डा के वि0स0 क्षेत्र सन्तकबीरनगर में जाति प्रमाण-पत्र निर्गत कराये जाने के सम्बन्ध में है, उन्तीसवीं सूचना श्रीमती ऊषा मौर्या की जनपद फतेहपुर के कतिपय मार्गों का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, जो ध्यानाकर्षण हेतु स्वीकृत हुईं।

श्री अध्यक्ष-

आज 02 माननीय सदस्यों का जन्म दिन था, लेकिन आज माननीय मुलायम सिंह जी के निधन के कारण यह सदन शोकाकुल है, इसलिए इसको हम कल ले लेंगे।

अब हम कल 11:00 बजे तक के लिए उठते हैं।

(इसके बाद सदन का उपवेशन 12 बजकर 15 मिनट पर अगले दिन के 11 बजे तक के लिये स्थगित हो गया।)

लखनऊ :
दिनांक 05 दिसम्बर, 2022

प्रदीप कुमार दुबे,
प्रमुख सचिव, विधान सभा,
उत्तर प्रदेश।

पी0एस0यू0पी0-एल0-58 विधान सभा (85)-20-06-2023-76 प्रतियां (कम्प्यूटर/आफसेट)।